मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 8 अंक 197
शनिवार, 31 जनवरी 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

घुसपैठ सिर्फ बीजेपी रोक सकती हैः अमित शाह

असम, 30 जनवरी। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस के 20 साल के शासनकाल में असम की जनसंख्या संरचना में बदलाव आया है और उन्होंने चेतावनी दी कि राज्य के सात जिलों में 64 लाख घुसपैठियों का दबदबा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि घुसपैठ को केवल भाजपा ही रोक सकती है और जनता से आगामी विधानसभा चुनावों में पार्टी को फिर से चुनने का आग्रह किया। अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास स्थित धेमाजी में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि असम में घुसपैठ की प्रवृत्ति को केवल भाजपा ही पलट सकती है।

अमित शाह ने कहा कि आज मैं असम में हो रहे जनसांख्यिकीय बदलावों के बारे में भी बात करना चाहता हूँ। हिमंता जी ने कहा है कि आपने यहाँ घुसपैठियों को रोक दिया है, लेकिन मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी सिर्फ. इस क्षेत्र में घुसपैठियों को रोकना नहीं है। मिसिंग समुदाय की ज़िम्मेदारी पूरे असम को घुसपैठियों से मुक्त करना है। हमारे सात ज़िले धुबरी, बारपेटा, दरांग, मोरीगाँव, बोंगाईगाँव, नागांव और गोलपारा। आज ये ज़िले घुसपैठियों के वर्चस्व वाले हो गए हैं।

शाह ने दावा किया कि कांग्रेस के बीस साल के शासनकाल में, इन सात जिलों में, जहाँ पहले घुसपैठियों की आबादी न के बराबर थी, अब 64 लाख घुसपैठिए हो गए हैं। अगर हमें घुसपैठियों को रोकना है, तो हमें क्या करना होगा? मैं यह नहीं कह रहा कि मेरे युवा हथियार उठाकर घुसपैठियों को रोकने के लिए सीमा पर चले जाएँ। हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार यह काम करेगी, चिंता न करें। लेकिन अगर आप घुसपैठियों को रोकना चाहते हैं, तो आगामी चुनावों में एक बार फिर भाजपा को अपना समर्थन दें। भारतीय जनता पार्टी की सरकार को चुनें। अमित शाह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार असम में जनसांख्यिकीय बदलाव का मुकाबला करने के लिए कई उपाय कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की लगातार दो सरकारों ने घुसपैठियों द्वारा कथित अतिक्रमण से लगभग 1.26 लाख एकड़ भूमि मुक्त कराई है। शाह ने असम के प्रमुख आदिवासी समूहों में से एक, मिसिंग समुदाय की भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिन्होंने ऊपरी असम में अवैध अतिक्रमणकारियों को आने से रोका। उनकी ₹कड़ी मेहनत की संस्कृति₹ की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उनकी जीवनशैली ने घुसपैठ के खिलाफ एक प्राकृतिक अवरोध का काम किया है।

ग्वालियर में ट्रक ने कार को मारी टक्कर, चार लोगों की मौके पर ही मौत

ग्वालियर, 30 जनवरी। मध्यप्रदेश के ग्वालियर में शुक्रवार सुबह एक ट्रक ने एक कार को पीछे से टक्कर मार दी जिससे कार सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि यह घटना सुबह करीब आठ बजे महाराजपुरा में ग्वालियर-भिंड राजमार्ग पर बरेठा टोल प्लाजा के पास की है जब एक ट्रक ने कार को पीछे से टक्कर मार दी।

अधिकारी ने बताया कि हादसे के वक्त इलाके में घना कोहरा छाया हुआ था। पुलिस के मुताबिक, कार सवार सभी लोगों की मौत हो गई और ये सभी भिंड के निवासी थे।

अधिकारी ने बताया कि कार भिंड जिले के मेहगांव निवासी सौरभ शर्मा (24) चला रहे थे और वह परीक्षा के सिलसिले में ग्वालियर आ रहे थे।

उन्होंने बताया कि दो अन्य मृतकों की पहचान ज्योति यादव और भूरे प्रजापति के रूप में हुई है। एक की अभी तक पहचान नहीं हो सकी है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ओडिशा में उड़ान प्रशिक्षण संगठन और ड्रोन परीक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे : मोहन चरण माझी

ओडिशा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए एक उड़ान प्रशिक्षण संगठन (एफटीओ) और एक ड्रोन प्रशिक्षण एवं परीक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मयूरभंज जिले के दांडबोस हवाई अड्डे पर एफटीओ की स्थापना की जाएगी, जो प्रतिवर्ष 50 वाणिज्यिक पायलटों को प्रशिक्षित करेगा तथा इस क्षेत्र में नये कैरियर के अवसर खोलेगा।

माझी ने कहा कि ओडिशा का पहला ड्रोन प्रशिक्षण और परीक्षण केंद्र गंजम जिले के रंगेलुंडा हवाई पट्टी पर स्थापित किया जाएगा, जहां हर साल 100 से अधिक पायलटों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे कृषि, अवसंरचना, रसद और आपदा प्रबंधन में महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों को मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यये दूरदर्शी पहलें ओडिशा के विमानन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करेंगी, हमारे युवाओं को भविष्य के कौशल से लैस करेंगी और ओडिशा को भारत की उभरती प्रौद्योगिकी-आधारित अर्थव्यवस्था में एक प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में स्थापित करेंगी।

एमजीएनआरईगा के नए कानून पर कांग्रेस का हल्ला बोल

नई दिल्ली, 30 जनवरी। कांग्रेस के मीडिया एवं प्रचार विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा, सांसद जयराम रमेश और दिल्ली अध्यक्ष देवेंद्र यादव सहित कांग्रेस नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में वीबी-जी राम जी अधिनियम, 2025 के खिलाफ 'एमजीएनआरईगा बचाओ संग्राम' विरोध प्रदर्शन किया। संसद ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम के स्थान पर विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम पारित किया, जो भारत की प्रमुख ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना है।

पवन खेड़ा ने कहा कि जो सरकार मजदूरों और किसानों का अपमान करती है, वह ज्यादा दिन नहीं टिकती। खेड़ा ने पत्रकारों से कहा कि सभी राज्यों की राजधानियों में ऐसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन हो रहे हैं। एनआरईजीए को बचाना मतलब मजदूरों की आवाज को बचाना है। इस देश में, जिस भी सरकार ने मजदूर और किसान का अपमान किया है, वह ज्यादा दिन नहीं टिक पाई है। दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारियों ने पार्टी नेताओं को प्रदर्शन करने से रोका।

यादव ने कहा कि जब हम शांतिपूर्वक अपना अभियान चला रहे थे, तब हजारों पुलिस अधिकारियों ने हमें यहां रोक दिया। लेकिन मैं मोदी सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि वे किसी भी तरह से हमारे संकल्प को तोड़ नहीं पाएंगे। इसी बीच, केरल में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने केंद्र सरकार पर नागरिकों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। वेणुगोपाल ने कहा कि पहले तो उन्होंने नए एमएनआरईजीए विधेयक के जरिए रोजगार का अधिकार छीन लिया।

कर्नाटक बिल विवादः मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बीजेपी पर फोड़ा ठीकरा

कर्नाटक, 30 जनवरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने ठेकेदारों के लंबित बिलों का दोष भाजपा पर मढ़ा है। कर्नाटक ठेकेदार संघ द्वारा लगभग 38,000 करोड़ रुपये के बकाया होने का आरोप लगाने के एक दिन बाद, भाजपा ने इस मुद्दे को भुनाते हुए सरकार पर हमला बोला। हालांकि, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने दावा किया कि इन बिलों का एक बड़ा हिस्सा भाजपा के नेतृत्व वाली पिछली सरकार के कार्यकाल से बकाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि ये लंबित बिल भाजपा ने छोड़े हैं। यह सच है कि बिल लंबित हैं, लेकिन इन्हें भाजपा ने ही छोड़ा है। मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने कहा 38,000 करोड़ रुपये में से 20,000 करोड़ रुपये भाजपा सरकार से आए हैं, जबकि बाकी हमारी सरकार से आए हैं... उनके शासनकाल में ही एक करोड़ रुपये के बिल बन गए। अब तो बहुत ज्यादा रकम जमा हो गई है... हमें इन सभी चीजों का ध्यान रखना होगा।

भाजपा नेता डॉ. सीएन अश्वथ नारायण ने कहा कि जब भाजपा के कार्यकाल में ठेकेदारों ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, तब कांग्रेस ने इसे चुनावी मुद्दा बना दिया था, लेकिन अब वही लोग कांग्रेस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। जब भी कोई निविदा जारी होती है, यह स्पष्ट होता है कि भुगतान समय सीमा के भीतर किया जाना चाहिए। अन्यथा, ठेकेदार अपना काम पूरा नहीं कर सकता, और न ही हम गुणवत्तापूर्ण काम की उम्मीद कर सकते हैं... इस दिशा में, सरकार को अधिक जिम्मेदार बनना होगा और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना होगा... वे (सरकारी अधिकारी) पूरी स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं... भ्रष्टाचार के कई आरोप हैं... पिछले विधानसभा चुनाव में, कांग्रेस ने इसे एक बड़ा मुद्दा बनाया था...

हमारे कार्यकाल के दौरान ठेकेदार बार-बार उनकी आवाज बने और कांग्रेस के प्रवक्ता के रूप में काम करते रहे। लेकिन आज, वही लोग इस सरकार पर सवाल उठा रहे हैं... स्पष्ट रूप से, यहाँ के बिचौलिए हर तरह की रकम की मांग कर रहे हैं... यह सरकार एक एटीएम बन गई है, जो केवल ठेकेदारों को लूट रही है और उनका जीवन दयनीय बना रही है।

सरकारी ठेकेदारों के कथित विलंबित भुगतान का मुद्दा भाजपा और मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के बीच एक बड़े राजनीतिक टकराव में तब्दील हो गया है। भाजपा ने अब इस अवसर का लाभ उठाते हुए आरोप लगाया है कि राज्य में अभूतपूर्व भ्रष्टाचार फैला हुआ है। भाजपा नेता अरविंद बेल्लाड ने कहा, कर्नाटक कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम बन गया है। एक ओर सिद्धारमैया अपनी कुर्सी बरकरार रखने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर डीके शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री बनने की होड़ में हैं। दोनों ने जनता को लूटना और उनका शोषण करना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में कर्नाटक को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है... कर्नाटक ठेकेदार संघ के अध्यक्ष ने दावा किया है कि राजनेताओं, यानी कांग्रेस को दी जाने वाली कुल कमीशन 60% तक पहुंच गई है। भारत में इस तरह का भ्रष्टाचार पहले कभी नहीं देखा गया। डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया की इस होड़ में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच गया है।

कर्नाटक राज्य ठेकेदार संघ ने पहले दावा किया था कि सरकार पर उनका लगभग 38,000 करोड़ रुपये का बकाया है और यदि बकाया राशि का भुगतान नहीं किया गया तो वे काम बंद कर देंगे।

सीमा पर बाड़बंदी के लिए अधिग्रहित भूमि 31 मार्च तक बीएसएफ को सौंपे बंगाल सरकारः हाईकोर्ट

कोलकता, 30 जनवरी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को निर्देश दिया है कि वह भारत-बांग्लादेश सीमा पर कांटेदार तार की बाड़ लगाने के लिए नौ सीमावर्ती जिलों में अधिग्रहित की जा चुकी भूमि 31 मार्च तक सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को सौंप दे।

अदालत ने बृहस्पतिवार को कहा कि बांग्लादेश के साथ भारत की कुल सीमा का आधे से अधिक हिस्सा पश्चिम बंगाल में है और 2016 से मंत्रिपरिषद के बार-बारनिर्णय लेने के बावजूद अंतरराष्ट्रीय सीमा के बड़े हिस्से अब भी बिना बाड़ के हैं।

मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल और न्यायमूर्ति पार्थ सारथी सेन की खंडपीठ ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े दायित्वों में प्रशासनिक या चुनावी कारणों से देरी नहीं की जा

सकती। पीठ ने स्पष्ट किया कि जिस भूमि का अधिग्रहण हो चुका है और जिसके लिए केंद्र सरकार धनराशि दे चुकी है, उसे बिना किसी देरी के बीएसएफ को सौंपा जाना चाहिए।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और चुनाव की तैयारियों जैसे कारणों को आदेश के अनुपालन में बाधा के रूप में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह आदेश सेवानिवृत्त वरिष्ठ सैन्य अधिकारी सुब्रत साहा द्वारा दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया, जिसमें दावा किया गया था कि भूमि सौंपने में राज्य सरकार की विफलता से तस्करी और सीमा पार घुसपैठ को बढ़ावा मिला है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश वकील ने अदालत को बताया कि भूमि अधिग्रहण राज्य का विषय है, लेकिन मुआवजा भुगतान और आवश्यक अनुमोदन के बाद भूमि का कब्जा बीएसएफ को सौंपना राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने बताया कि गृह मंत्रालय की ओर से बार-बार स्मरण पत्र भेजे जाने और जून 2025 में केंद्रीय गृह सचिव के पत्र के बावजूद आवश्यक 235 किलोमीटर के मुकाबले अब तक केवल कुछ भूखंड ही सौंपे गए हैं। मामले की अगली सुनवाई दो अप्रैल 2026 को होगी।

देवघर में आठ साइबर अपराधी गिरफ्तार, 14 मोबाइल फोन जब्त

देवघर। झारखंड के देवघर जिले में पुलिस ने छापेमारी कर आठ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 14 मोबाइल फोन जब्त किए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी बृहस्पतिवार को पलाजोरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत लुसियो पहाड़ी इलाके के पास की गई। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक गिरोह फोन कॉल के जरिए खुद को कस्टमर केयर कर्मी, बैंक अधिकारी और सरकारी कर्मचारी बताकर लोगों को ठग रहा है।

साइबर डीएसपी राजा मित्रा ने बताया, हमने आठ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

शिक्षा में समता या नई असमानताः यूजीसी नियमों पर न्यायिक विराम

-ललित गर्ग

नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के माध्यम से उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता के नाम पर लागू किए गए नए नियमों ने देश के शैक्षिक और सामाजिक परिदृश्य में एक बार फिर गहरी हलचल पैदा कर दी है। जिस नीति को ह्यसमानताह्व, ह्यसमान अवसरह्व और ह्यसमावेशी शिक्षाह्व की भावना से जोड़कर प्रस्तुत किया गया, वह व्यवहार में आते ही एक वर्ग विशेष के तीव्र विरोध, व्यापक असंतोष और सामाजिक तनाव का कारण बन गई। स्थिति इतनी विकट हुई कि सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप कर इन नियमों पर अंतरिम रोक लगानी पड़ी। यह रोक न केवल सरकार की नीति-निर्माण प्रक्रिया पर एक प्रश्नचिह्न है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिशयोक्तिपूर्ण और असंतुलित प्रयोग देश को किस दिशा में ले जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट का यह हस्तक्षेप किसी नीति के समर्थन या विरोध का सीधा निर्णय नहीं है, बल्कि यह एक संवैधानिक चेतावनी है कि समानता के नाम पर लागू किए गए नियम यदि अस्पष्ट हों, दुरुपयोग की संभावना रखते हों और सामाजिक सौहार्द को बाधित करते हों, तो वे न्यायिक समीक्षा से परे नहीं रह सकते।

अदालत ने प्रथम दृष्टया यह माना कि यूजीसी के नए नियमों में स्पष्टता का अभाव है और यही अस्पष्टता उन्हें विवादास्पद बनाती है। यह रोक सरकार को आत्ममंथन का अवसर देती हैकृएक ऐसा अवसर जिसे राजनीतिक टकराव के बजाय सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए। प्रश्न यह है कि जो सरकार बार-बार ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वासह्व की बात करती रही है, वह शिक्षा संस्थानों जैसे विचार-निर्माण के केंद्रों में ऐसे नियम क्यों लाई, जिनसे जातिगत पहचान और वर्गीय विभाजन की रेखाएँ और गहरी होने की आशंका पैदा हो गई। भारत का सामाजिक इतिहास इस तथ्य का साक्षी है कि जाति के नाम पर की गई किसी भी नीति ने, चाहे उसका उद्देश्य कितना ही कल्याणकारी क्यों न रहा हो, समाज को भीतर ही भीतर विभाजित किया है। आरक्षण जैसी संवैधानिक व्यवस्था सामाजिक न्याय के लिए लाई गई थी, लेकिन इसके लंबे प्रयोग ने देश को ऐसे घाव भी दिए हैं, जिनका उपचार आज तक पूर्ण रूप से नहीं हो सका। ऐसे में शिक्षा के क्षेत्र में जातिगत आधार को और उभारने वाली किसी भी पहल को लेकर स्वाभाविक रूप से आशंका उत्पन्न होती है।

शिक्षा संस्थान केवल डिग्री बांटने की फैक्ट्रियां नहीं होते; वे समाज की दिशा तय करने वाली प्रयोगशालाएं होते हैं। यहां तैयार होने वाला छात्र केवल नौकरीपेशा व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का नागरिक होता है। यदि यही परिसर अविश्वास, वर्ग-संघर्ष और परस्पर शंका के केंद्र बन जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वह सामाजिक ताने-बाने को भी कमजोर करता है। यूजीसी के नए नियमों को लेकर उठा विरोध इसी आशंका का प्रकटीकरण है। यह भी विचारणीय है कि समानता और समता के बीच का अंतर नीति-निर्माण में किस हद तक समझा गया। समानता का अर्थ है सबके साथ एक जैसा व्यवहार, जबकि समता का अर्थ है परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए संतुलित अवसर देना। यदि समता के नाम पर ऐसे प्रावधान किए जाएं जो एक नए प्रकार की असमानता को जन्म दें, तो वह नीति अपने उद्देश्य से भटक जाती है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी बिंदु की ओर संकेत करती है कि नियमों का उद्देश्य भले ही सकारात्मक रहा हो, लेकिन उनकी संरचना और भाषा ने विवाद और भ्रम को जन्म दिया। यह भी दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस पूरे मामले में राजनीतिक रंग तेजी से हावी होता गया। पक्ष और विपक्ष दोनों ने इसे अपने-अपने हितों के चश्मे से देखना शुरू कर दिया, वोट बैंक की राजनीति से इसे देखा जाने लगा जबकि यह विषय मूलतः शिक्षा सुधार और सामाजिक संतुलन से जुड़ा था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं कई अवसरों पर यह कहते रहे हैं कि शिक्षा को राजनीति से मुक्त रखा जाना चाहिए और नीतियां दीर्घकालिक राष्ट्रीय हित को ध्यान में रखकर बननी चाहिए। फिर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि यूजीसी द्वारा बनाए गए इन नियमों में उस दूरदर्शिता और संतुलन का अभाव क्यों दिखा? लगता है कि यूजीसी ने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे इसे लागू कर दिया, यदि यूजीसी ने व्यापक संवाद, सभी पक्षों से परामर्श और संभावित दुरुपयोग की आशंकाओं का पूर्व आकलन किया होता, तो शायद यह स्थिति उत्पन्न ही नहीं होती। नीति बनाते समय केवल कानूनी वैधता पर्याप्त नहीं होती; सामाजिक स्वीकार्यता और नैतिक संतुलन भी उतने ही आवश्यक होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश के माध्यम से यही संकेत दिया है कि शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में किसी भी बदलाव से पहले उसके दूरगामी प्रभावों पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। नए नियमों की सबसे बड़ी कमजोरी एवं त्रासदी यही रही कि वे आरक्षित और सामान्य वर्गों को एक-दूसरे के सामने खड़ा करके विद्रोह एवं विरोध में खड़ा कर दिया। यह विभाजनकारी प्रवृत्ति न केवल शिक्षा के वातावरण को दूषित करती है, बल्कि उस राष्ट्रीय एकता की अवधारणा को भी कमजोर करती है, जिसकी बात हम संविधान में करते हैं। किसी भी नीति का मूल्यांकन इस आधार पर होना चाहिए कि वह समाज को जोड़ती है या तोड़ती है। यदि वह अविश्वास और टकराव को बढ़ावा देती है, तो उस पर पुनर्विचार अनिवार्य हो जाता है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा लगाई गई रोक को किसी की हार या जीत के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। यह एक सुधार का अवसर है-सरकार, यूजीसी और समूचे शैक्षिक तंत्र के लिए। यह समय है कि भावनाओं और राजनीतिक आग्रहों से ऊपर उठकर एक ऐसी नीति बनाई जाए, जो वास्तव में समान अवसर सुनिश्चित करे, लेकिन बिना किसी नए विभाजन को जन्म दिए। शिक्षा में सुधार का अर्थ समाज को जोड़ना है, न कि पुराने घावों को फिर से कुरेदना। देश को ऐसी शिक्षा नीति की आवश्यकता है जो प्रतिभा को जाति से ऊपर रखे, अवसर को पहचान से मुक्त करे और परिसरों को संघर्ष नहीं, संवाद का केंद्र बनाए। सुप्रीम कोर्ट की यह रोक उसी दिशा में एक संकेत है। अब यह सरकार और यूजीसी की जिम्मेदारी है कि वे इस संकेत को समझें, आत्मावलोकन करें और ऐसे नियम गढ़ें जो वास्तव में भारत की समावेशी, संतुलित और भविष्यद्रष्टा संरचना के अनुरूप हों। यदि इस अवसर को भी राजनीतिक स्वार्थ की भेंट चढ़ा दिया गया, तो यह केवल एक नीति की विफलता नहीं होगी, बल्कि उस विश्वास की भी हार होगी, जो जनता ने शिक्षा सुधारों से जोड़ रखा है।

सुनो नहरों की पुकार : जब आस्था पर्यावरण से संवाद करती है

-प्रियंका सौरभ

आज जब हम पूजा, परंपरा और श्रद्धा की बात करते हैं, तो अक्सर भूल जाते हैं कि धर्म का मूल उद्देश्य जीवन की रक्षा है—विनाश नहीं। जल, जो जीवन का आधार है, वही यदि हमारी आस्था के नाम पर अपवित्र हो जाए, तो यह आत्ममंथन का विषय बनता है। ह्यसुनो नहरों की पुकारह्व ऐसा ही एक जनजागरण अभियान है, जो हमें हमारी ही भूलों से रूबरू कराता है और बताता है कि सच्ची पूजा क्या है।

नहरें सिर्फ़ पानी का बहाव नहीं हैं। वे खेतों की हरियाली, पशुओं की प्यास, गाँवों की संस्कृति और सभ्यता की धमनियाँ हैं। इन्हीं नहरों के सहारे किसान अपने खेतों में सोना उगाता है, पशु जीवन पाते हैं और ग्रामीण समाज की अर्थव्यवस्था चलती है। परंतु आज यही जीवनरेखाएँ हमारी असावधानी और अंधी परंपराओं के कारण कराह रही हैं।

पूजा के बाद की सामग्री—मूर्तियाँ, फूल, कपड़े, प्लास्टिक, सिंदूर, अगरबत्ती, नारियल, यहाँ तक कि मृत पालतू पशु—नहरों में प्रवाहित कर दिए जाते हैं। जो कर्म श्रद्धा के नाम पर किए जाते हैं, वे दरअसल प्रकृति के विरुद्ध अपराध बन चुके हैं।

इसी पीड़ा और चिंता से जन्मा ह्यसुनो नहरों की पुकारह्व अभियान। इसकी शुरुआत रोहतक में डॉ. जसमेर सिंह हुड्डा (संयोजक) और हिसार में माननीय भूपेंद्र सिंह गोदारा के प्रयासों से हुई। यह कोई एक दिन का कार्यक्रम नहीं, बल्कि वर्षों की तपस्या और निरंतर जागरूकता का परिणाम है।

यह अभियान न किसी राजनीतिक लाभ के लिए है, न किसी संगठनात्मक प्रसिद्धि के लिए। इसका उद्देश्य केवल एक है—नहरों को प्रदूषण से मुक्त करना और समाज की सोच में बदलाव लाना।

गुरेरा गाँव की मिट्टी से उठे मास्टर भूपेंद्र गोदारा ने इस अभियान को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया। उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चले अनेक जागरूक साथी—सुबेदार मेजर दलीप सिंह, टेकचन्द बागड़ी, श्री दलवीर पोटलिया, रिटायर्ड आचार्य विजेन्द्र सिंह, कृष्ण कुमार, प्राचार्य अजीत सिंह, निहाल सिंह गोदारा, श्री पवन कुमार सहित कई समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता। इन सभी का स्पष्ट विश्वास है कि जब तक समाज अपनी आदतें नहीं बदलेगा, तब तक नहरों की आत्मा को शांति नहीं मिलेगी। नियम-कानून अपनी जगह हैं, पर वास्तविक बदलाव तभी आएगा जब जनमानस जागेगा।

कोरोना जैसे भयावह समय में भी यह कारवाँ नहीं रुका। रविवार हो या छुट्टी, त्योहार हो या बारिश—टीम नहरों के किनारे हाथों में तख़्तियाँ लिए खड़ी दिखाई दी। तख़्तियों पर लिखे वाक्य केवल नारे नहीं थे, बल्कि समाज से संवाद थे—

जल है तो कल है, नहरों को प्रदूषित मत करो, आस्था है तो स्वच्छता भी हो।

हिम्मत सिंह, राममूर्ति, नरेंद्र कुल्हड़िया, प्रवीण खलौट, सुरेंद्र गोदारा, संदीप, सीताराम, शेर सिंह, विकास गोदारा, रामभगत पुनिया जैसे समाजसेवियों ने इस आवाज को मजबूती दी। वहीं सुमन गोदारा, संतोष गोदारा, रचना, पुष्पा, कमला, सुनीता, शीला, तारा देवी, सुदेश ढांडा जैसी महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने अभियान को सामाजिक गहराई प्रदान की।

गुरेरा से इंस्पेक्टर उदयभान गोदारा ने भी लोगों से आह्वान किया कि जब तक यह संदेश हर गली और हर घर तक नहीं पहुँचेगा, तब तक बदलाव अधूरा रहेगा। जब जीवनदायिनी जलधारा में प्लास्टिक, रसायन और जैविक कचरा घुल जाता है, तो वही जल विष बन जाता है। यह विषाक्त जल खेतों में जाता है, मिट्टी को बीमार करता है, फसलों की गुणवत्ता घटाता है और अंततः हमारे भोजन में प्रवेश करता है।

यह संकट केवल कृषि तक सीमित नहीं है। नहरों का पानी पीने वाले पशु, पक्षी और अन्य जीव रोगग्रस्त हो जाते हैं। जलजनित रोग, त्वचा रोग, पाचन संबंधी समस्याएँ और दीर्घकाल में गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। वैज्ञानिक लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि जल प्रदूषण मानव स्वास्थ्य के लिए एक मौन आपदा बन चुका है।

सुनो नहरों की पुकार अभियान का मूल संदेश सीधा और स्पष्ट है—धर्म का अर्थ है प्रकृति की रक्षा। यदि भगवान सर्वव्यापी हैं, तो वे नदियों, नहरों, पेड़ों और जीवों में भी हैं। फिर उनकी पूजा के नाम पर इन्हीं तत्वों को दूषित करना कैसी आस्था है? पूजा सामग्री को नहरों में बहाना धर्म नहीं, बल्कि अधर्म है।

मास्टर भूपेंद्र गोदारा का प्रश्न समाज से सीधा संवाद करता है—ह्यहे प्रभु, आपके नाम पर लोग प्रकृति का इतना अपमान क्यों कर रहे हैं? यह कैसी श्रद्धा है, जो जीवनदायिनी नहरों को विष से भर रही है?ह्व यही प्रश्न इस आंदोलन की आत्मा है।

कोई भी आंदोलन तब तक सफल नहीं होता, जब तक जनता उसका हिस्सा न बने। इस अभियान की सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि इसने हजारों लोगों की सोच बदली है। अब अनेक स्थानों पर लोग पूजा सामग्री को नहरों में बहाने के बजाय मिट्टी में दबा रहे हैं, पौधों के नीचे रख रहे हैं या जैविक खाद बनाने की ओर बढ़ रहे हैं। ये छोटे-छोटे कदम दिखने में साधारण हैं, लेकिन इन्हीं से बड़े परिवर्तन जन्म लेते हैं। जब आदतें बदलती हैं, तभी संस्कृति बदलती है। सुनो नहरों की पुकार केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक सामूहिक प्रार्थना है— नहरों को स्वच्छ रखो, जीवन को सुरक्षित रखो।

यदि नहरें बचेंगी तो खेत हरे-भरे रहेंगे, पशु-पक्षी सुरक्षित रहेंगे और आने वाली पीढ़ियाँ स्वच्छ जल का उपहार पाएँगी। यह अभियान हमें याद दिलाता है कि जल ही जीवन है और इसकी रक्षा करना किसी एक व्यक्ति या संगठन की नहीं, बल्कि हम सबकी साझा जिम्मेदारी है।

आज समय आ गया है कि हम आस्था और अंधविश्वास के बीच का अंतर समझें। सच्ची श्रद्धा वही है, जो जीवन को बचाए—न कि उसे संकट में डाले। सुनो नहरों की पुकार दरअसल हमारी अंतरात्मा की पुकार है। सवाल सिर्फ़ इतना है—क्या हम इसे सुनने को तैयार हैं?

अमेरिका पर कर्ज.का पहाड़, फिर भी डॉलर का जलवा बरकरार

अमेरिका आज दुनिया का सबसे बड़ा कर्जदार देश है, लेकिन उसी की मुद्रा डॉलर दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे प्रभावशाली करेंसी बनी हुई है। ऊपर-ऊपर से देखें तो यह एक विरोधाभास जैसा लगता है। जिस देश पर सबसे ज्यादा कर्ज. हो, उसकी करेंसी पर सबसे ज्यादा भरोसा कैसे हो सकता है? पर जैसे-जैसे हम वैश्विक अर्थव्यवस्था, राजनीति और इतिहास की तह में जाते हैं, यह समझ में आता है कि डॉलर की ताकत केवल आर्थिक आँकड़ों का खेल नहीं, बल्कि भरोसे, व्यवस्था और विकल्पों के अभाव की कहानी भी है। अमेरिकी डॉलर की ताकत की पहली और सबसे बुनियादी वजह यह है कि वह दुनिया की मुख्य ह्लरिजर्व करेंसीह्व है। लगभग हर देश का केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा डॉलर में रखता है, ताकि आपात स्थिति, आयात-भुगतान या वित्तीय संकट के समय उसके पास सबसे स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा मौजूद रहे। अंतरराष्ट्रीय व्यापार का बड़ा हिस्सा, खासकर तेल, गैस, सोना और अन्य कमोडिटी, आज भी डॉलर में कीमत तय करते हैं और भुगतान लेते-देते हैं। इसका परिणाम यह है कि चाहे कोई देश अमेरिका से व्यापार करे या नहीं, उसे वैश्विक लेन-देन के लिए डॉलर की जरूरत पड़ती ही है। डॉलर की यह स्थायी और संरचनात्मक माँग उसे मजबूती देती रहती है, भले ही अमेरिकी सरकारी कर्ज.का पहाड़ कितना ही ऊँचा क्यों न हो।

दूसरा बड़ा कारण यह है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था अभी भी दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे विविध अर्थव्यवस्था है। अमेरिका के पास विशाल उपभोक्ता बाजार, अग्रणी तकनीकी कंपनियाँ, नवाचार की सशक्त संस्कृति और अत्यधिक उत्पादक मशीनी कार्यबल है। इतने गहरे और व्यापक आर्थिक आधार के नेटवर्क के कारण निवेशकों को भरोसा रहता है कि अमेरिका लंबे समय तक अपनी देनदारियाँ चुकाने की क्षमता रखता है। आर्थिक मंदी आए, वित्तीय संकट हो या भू-राजनीतिक तनाव बढ़े,ऐसे हर दौर में दुनिया का निवेश अंततः ह्लसेफ हेवनह्व यानी सुरक्षित ठिकाने की तलाश में भागता है, और वह ठिकाना आमतौर पर अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी सरकारी बॉन्ड ही होते हैं। यही कारण है कि कई बार संकट बढ़ने पर भी डॉलर कमजोर नहीं, बल्कि और मजबूत हो जाता है, क्योंकि डर के माहौल में सब फिर उसी के साये में लौट आते हैं। अमेरिका का विशाल कर्ज.एक तरफ बोझ है, तो दूसरी तरफ उसकी वित्तीय ताकत का उपकरण भी। अमेरिकी सरकार जिस तरह से ट्रेजरी बॉन्ड के रूप में कर्ज.लेती है, वे दुनिया भर में सबसे सुरक्षित निवेश माने जाते हैं। सरकारें, केंद्रीय बैंक, पेंशन फंड, बीमा कंपनियाँ और बड़े निवेशक , सब मिलकर इन बॉन्ड्स को खरीदते हैं, क्योंकि उन्हें यकीन होता है कि अमेरिका अपनी बॉन्ड देनदारियों पर डिफॉल्ट नहीं करेगा। इन बॉन्ड्स की खरीद के लिए डॉलर की जरूरत होती है, और जितने ज्यादा बॉन्ड बिकते हैं, उतना ही डॉलर की वैश्विक मांग बढ़ी, हुई बनी रहती है। इस तरह अमेरिकी कर्ज.जितना बढ़ता है, दुनिया का डॉलर-सिस्टम में उलझाव भी उतना ही गहरा होता जाता है । सबके हाथ में अमेरिकी बॉन्ड और डॉलर-एसेट हैं, इसलिए सबके हित में है कि यह व्यवस्था चलते रहे। एक और अनोखा फायदा जो अमेरिका को मिलता है, वह है ह्लअपनी ही मुद्रा में कर्ज. लेनेह्व का विशेषाधिकार। अधिकांश विकासशील देशों को अंतरराष्ट्रीय बाजार से कर्ज. लेते समय डॉलर या दूसरी विदेशी मुद्राओं में उधार लेना पड़ता है, अगर उनकी अपनी मुद्रा कमजोर हो जाए या डॉलर मजबूत हो जाए तो उनके ऊपर वास्तविक बोझ अचानक बहुत बढ़ जाता है। इसके उलट, अमेरिका का लगभग पूरा सरकारी कर्ज.डॉलर में ही है। यदि कभी जरूरत पड़े, तो अमेरिकी केंद्रीय बैंक डॉलर की आपूर्ति बढ़ाकर, बाजार से बॉन्ड खरीदकर, या ब्याज दरों के जरिये व्यवस्था को स्थिर करने की कोशिश कर सकता है। यह आखिरी सहारा होने की क्षमता निवेशकों के मन में यह भरोसा पैदा करती है कि अमेरिका के लिए तकनीकी तौर पर दीवालिया होने तक पहुँचना मुश्किल है। उसकी अपनी छपाई मशीन उसी की मुद्रा में चलती है।

डॉलर की मजबूती के पीछे केवल अर्थशास्त्र ही नहीं, बल्कि अमेरिकी राजनीतिक, सैन्य शक्ति और संस्थागत ढाँचा भी खड़ा है। अमेरिका के पास दुनिया की सबसे ताकतवर सेना, व्यापक गठबंधन-तंत्र और वैश्विक स्तर पर प्रभावशाली कूटनीतिक उपस्थिति है। इसका संदेश साफ हैः यह देश रातों-रात गायब नहीं हो जाएगा, इसकी व्यवस्था एक झटके में नहीं टूटेगी। इसके साथ-साथ, अमेरिकी न्यायपालिका, नियामक संस्थाएँ, पारदर्शी शेयर बाजार, अपेक्षाकृत स्वतंत्र मीडिया और सशक्त कॉर्पोरेट गवर्नेंस , सब मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाते हैं जिसमें विदेशी निवेशकों को अपने अधिकार सुरक्षित लगते हैं। जब उन्हें यह भरोसा होता है कि उनके साथ नियम-कानून के तहत न्याय होगा, तो वे ऊँचे अमेरिकी कर्ज. के बावजूद डॉलर और अमेरिकी परिसंपत्तियों से मुँह नहीं मोड़ते।

फिर भी यह सवाल जायज है कि क्या यह व्यवस्था हमेशा ऐसे ही चलती रहेगी? अमेरिका का कर्ज. लगातार बढ़ रहा है, और जिस गति से ब्याज भुगतान बढ़ रहे हैं, वह आगे चलकर अमेरिकी बजट पर भारी दबाव डाल सकता है। यदि राजनीतिक ध्रुवीकरण इतना बढ़ जाए कि समय-समय पर कर्ज.सीमा को लेकर असली डिफॉल्ट का खतरा पैदा हो, या अगर कभी निवेशकों को लगे कि अमेरिकी नीति-निमार्ता अपने ही सिस्टम से खिलवाड़ कर रहे हैं, तो डॉलर पर भरोसे में दरार आ सकती है। दूसरी ओर, यदि कोई बड़ा आर्थिक,राजनीतिक समूह,जैसे चीन, यूरोपीय संघ, या इफ्क्ष्क्षर जैसा कोई गठजोड़ , एक विश्वसनीय, स्थिर, गहरे बॉन्ड-मार्केट वाली वैकल्पिक वैश्विक मुद्रा खड़ी कर दे, तो धीरे-धीरे दुनिया के रिजर्व डॉलर से हटकर वहाँ शिफ़्ट हो सकते हैं। हालाँकि अभी तक ऐसी कोई वैकल्पिक व्यवस्था पूरी तरह परिपक्व अल्टरनेट के रूप में मौजूद नहीं है, इसलिए डॉलर के बाद कौन? का सवाल अभी भविष्य पर टला हुआ है।

निष्कर्ष के तौर पर कहा जा सकता है कि अमेरिका का सबसे बड़ा कर्ज. और डॉलर की सबसे बड़ी ताकत, दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जितनी दुनिया अमेरिकी बॉन्ड और डॉलर में फँसी हुई है, उतना ही उसे यह व्यवस्था बचाए रखना मजबूरी भी है और सुविधा भी। ऊँचा कर्ज.अपने आप में डॉलर को कमजोर नहीं कर देता, क्योंकि उससे पहले दुनिया यह सोचती है कि अगर डॉलर डगमगाया तो उसके पास विकल्प क्या है। जब तक यह सवाल अनुत्तरित है, तब तक अमेरिकी कर्ज.के पहाड़ के बावजूद डॉलर की गद्दी डोल सकती है, गिरती नहीं। (विवेक रंजन श्रीवास्तव-विनायक फीचर्स)

यू.जी.सी. इक्विटी रैगुलेशन : उलटी दिशा में सफर

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वीरवार यू.जी.सी. विनियम 2026 पर स्टे लगाने के बाद देश के हर सामान्य नागरिक विशेषकर छात्रों और शिक्षकों ने राहत की सांस ली है। उसकी जगह कोर्ट ने अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए फिलहाल पूर्ववर्ती 2012 के नियम को लागू कर दिया है। मार्च के महीने में 2026 के विनियम पर विस्तृत सुनवाई होगी। लेकिन माननीय मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जॉयमाला बागची की खंडपीठ ने इसके बारे में जो टिप्पणियां की हैं, वे काफी गंभीर और विचारणीय हैं। उन्होंने जाति से जुड़े कुछ आधारभूत प्रश्न किए हैं।

यू.जी.सी. के इस भेदभावपूर्ण विनियम के आलोक में माननीय सर्वोच्च न्यायालय की यह टिप्पणी कि क्या हम उल्टी दिशा में जा रहे हैं, अपने आप में बड़े प्रश्न खड़े करती है। खंडपीठ ने कहा कि हमें एक जातिविहीन समाज की ओर बढ़ना चाहिए लेकिन हम आजादी के 75 साल बाद भी जाति की जंजीरों में जकड़े हुए हैं। क्या पिछले 75 वर्षों में हमने जो कुछ हासिल किया, उसको गंवाना चाहते हैं? यह चिंताजनक है। भारत का संविधान एक समावेशी समाज बनाने पर बल देता है। जातिवाद के खिलाफ हमने बड़े कदम उठाए हैं। जिस किसी को भी सुरक्षा की जरूरत है वह उसको मिलनी चाहिए। जहां तक इस विनियम का प्रश्न है, तो प्रथम दृष्टया यह अस्पष्ट दिखता है। कानून के विशेषज्ञों को इसकी भाषा को स्पष्ट करने की जरूरत है। अपने वर्तमान स्वरूप में इस विनियम के दुरुपयोग की संभावनाएं हैं और यह संविधान की धारा 31 सी को चुनौती देता है। ये वही प्रश्न थे जो हर किसी को खटक रहे थे।

वास्तव में उच्च शिक्षा व्यवस्था से यह अपेक्षा की जाती है कि वह समाज को बांटने वाले पूर्वाग्रहों से ऊपर उठकर ज्ञान, विवेक और मुक्तचिंतन को बढ़ावा दे। विश्वविद्यालय और कॉलेज विचारों के ऐसे मंच होते हैं, जहां व्यक्ति अपनी पहचान से पहले छात्र और फिर शोधकर्ता बनता है। दुर्भाग्यवश, यू.जी.सी. द्वारा प्रस्तावित इक्विटी रैगुलेशन 2026 इसी मूल भावना के विपरीत खड़ा दिखाई देता है। यह विनियम समानता के नाम पर भेदभाव की एक ऐसी इकतरफा और संकीर्ण परिभाषा गढ़ता है, जो समस्या के समाधान से अधिक, नई समस्याओं को जन्म देने वाली है। स्वयं मेरे लिए एक शिक्षक के रूप में यह मानना कठिन है कि कक्षा में खड़ा होकर कोई भी शिक्षक अपने विद्यार्थियों को जाति के चश्मे से देखता या उनसे कोई भेदभाव करता है। वर्षों तक पढ़ाने, मार्गदर्शन देने और शोध कराने के दौरान एक शिक्षक के लिए छात्र की पहचान उसकी जिज्ञासा, अनुशासन और बौद्धिक क्षमता से बनती है, न कि किसी सामाजिक वर्ग से। यही कारण है कि अधिकांश शिक्षक अपने छात्रों की उपलब्धियों में ईर्ष्या नहीं, बल्कि गर्व महसूस करते हैं, चाहे वे किसी भी जाति-वर्ग से हों।

जिस रोहित वेमुला प्रकरण के आलोक में इस एकतरफा कानून को बनाने की बात कही जा रही थी, उसकी सच्चाई खुद तेलंगाना सरकार की रिपोर्ट में खुल चुकी है। यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 की सबसे गंभीर समस्या उसकी जातिगत भेदभाव की परिभाषा है। यह परिभाषा पहले ही यह मानकर चलती है कि शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव एकतरफा होता है, यानी एक वर्ग स्वभावतः उत्पीड़क है और दूसरा पीड़ित। यह दृष्टिकोण न केवल बौद्धिक रूप से आलसी है, बल्कि सामाजिक रूप से खतरनाक भी। क्या भेदभाव केवल एक ही दिशा में होता है? क्या अपमान, बहिष्कार, वैचारिक ङ्कषहसा और सामाजिक तिरस्कार किसी एक ही वर्ग तक ही सीमित है? आज का सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य बिल्कुल अलग है। जिन्हें हम पिछड़ा या दलित कह कर संबोधित करते हैं, वे अब देश और समाज का नेतृत्व कर रहे हैं, उच्चतम पदों पर आसीन हैं और अपनी क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। देश की अल्पसंख्यक सामान्य जाति की तरफ से इसका कोई विरोध भी नहीं है।

फिर भी पिछले कुछ दशकों में विश्वविद्यालय परिसरों में खुलेआम जाति-आधारित नारेबाजी, सामूहिक अपमान और वैचारिक बहिष्कार के दृश्य देखे गए हैं। ह्यतिलक-तराजू और तलवारह्व जैसे प्रतीकों को गाली बनाकर प्रस्तुत करना, एक पूरे समुदाय को शोषक, मनुवादी या पितृसत्तात्मक कह कर खारिज करना अब फैशनेबल बना दिया गया है। संभवतः मार्च में जब इस विनियम पर सुनवाई होगी तो न्यायालय के समक्ष खतरनाक जातिगत भेदभाव के ये उदाहरण भी रखे जाएंगे। इसको ध्यान में रखते हुए यदि अब सर्वोच्च न्यायालय की गंभीर टिप्पणियों को देखें तो यह स्पष्ट होगा कि हमारी असल जरूरत कास्ट-न्यूट्रल कैंपस विकसित करने की है, जहां छात्र आपस में तथा छात्र और शिक्षक एक-दूसरे के साथ खुल कर बातचीत कर सकें और अपने विचार रख सकें। नियम जरूर बनें, पर वे ऐसे हों ताकि कैंपस में किसी के खिलाफ जातिगत दुर्व्यवहार या भेदभाव किया जाना असंभव हो। आवश्यकता इस बात की है कि हम पूर्वाग्रहों से प्रेरित नीति-निर्माण की बजाय संतुलित, तर्कसंगत और न्यायपूर्ण दृष्टि अपनाएं। यदि शिक्षा संस्थान ही सामाजिक अविश्वास और वैमनस्य के केंद्र बन गए, तो समाज को दिशा कौन देगा? आशा है सर्वोच्च न्यायालय में अब यू.जी.सी. रैगुलेशन 2026 को इन्हीं कसौटियों पर परखा जाएगा।-मिहिर भोले

दादा गए, क्या फडनवीस को फायदा होगा!

अजित पवार की विमान हादसे में दर्दनाक मौत से उनका पूरा परिवार गहरे सदमे में है। उनकी एन.सी.पी. पार्टी के नेता, विधायक, कार्यकर्ता तिराहे पर हैं। दादा के जाने से देवेन्द्र (फडनवीस) पशोपेश में हैं। एकनाथ शिंदे सही वक्त के इंतजार में हैं। महाराष्ट्र की राजनीति कोई नई करवट लेने को बेचैन दिखाई दे रही है। ममता बनर्जी भले ही साजिश देख रही हों लेकिन महाराष्ट्र के नेता सियासत में चरमराहट सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस और एकनाथ शिंदे की आपसी सियासी लड़ाई में दादा पवार ढाल बनते रहे हैं। अब देवेंद्र और एकनाथ में नए सिरे से शह-मात का खेल शुरू हो सकता है।

पिछले विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद एकनाथ शिंदे जब मुख्यमंत्री पद पर दाव लगा रहे थे तो अजित दादा ने ही फडनवीस को महायुति का मुख्यमंत्री घोषित कर दिया था। यह फडनवीस के लिए बहुत बड़ी राहत थी। हाल के नगर निगम चुनावों के दौरान जब अजित पवार ने भाजपा पर भ्रष्टाचार को लेकर राक्षसी भूख होने का आरोप लगाया था, तब देवेंद्र ने इसे हंसी-मजाक में टाल दिया था कि अजित पवार दो कदम आगे दो कदम पीछे होते रहते हैं और वह कहीं जाने वाले नहीं हैं। दादा की विदाई के बाद उनकी पार्टी के सामने तीन ही रास्ते बचते हैं। एक, पार्टी को पार्टी की तरह चलाया जाए और महाराष्ट्र की राजनीति में खुद के लिए अलग जगह बनाई जाए। दो, शरद पवार के आगे नतमस्तक हो कर उन्हें अपना नेता चुन लिया जाए। तीन, भाजपा की शरण में चल दिया जाए। सियासी जानकार कहते रहे हैं कि महाराष्ट्र जैसे राज्य में 6-6 दलों का लंबे समय तक टिके रहना संभव नहीं है। भाजपा, एन.सी.पी. और शिंदे सेना एक तरफ। कांग्रेस, शरद पवार की एन.सी.पी. और उद्धव ठाकरे की शिवसेना दूसरी तरफ। कुछ कहते रहे हैं कि जैसे एन.सी.पी. और शिवसेना 2-2 टुकड़ों में बंटीं, उसी तरह इन टुकड़ों का अपने-अपने गठबंधन की सबसे मजबूत पार्टी से नया रिश्ता बनना या फिर टुकड़ों का एक होना (दोनों में से एक) लाजमी है।

तो क्या यह मान लिया जाए कि अजित पवार के जाने के बाद यह सिलसिला शुरू हो सकता है? यानी एन.सी.पी. अब एक हो जाए या अजित की एन.सी.पी. का बड़ा हिस्सा भाजपा में शामिल हो जाए। मुख्यमंत्री तो दूसरे विकल्प का स्वागत ही करेंगे क्योंकि ऐसा हुआ तो दो फायदे होंगे। एक, एकनाथ शिंदे की दबाव की राजनीति से छुटकारा मिलेगा और दो, भाजपा का महाराष्ट्र में राजनीतिक कैनवास और भी ज्यादा बड़ा हो जाएगा। इतना बड़ा कि बाकी के दल कोने में सिमटे दिखाई देंगे।

अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर अजित पवार की एन.सी.पी. का क्या होगा? अगर अपने दम पर अपने वजूद को कायम रखना है तो क्या दादा की पत्नी सुनेत्रा पवार को आगे आना होगा और कमान संभालनी होगी? वह लोकसभा चुनावों में सुप्रिया सुले (ननद) के हाथों हारी थीं और इस समय राज्यसभा सांसद हैं। भले ही वह राजनीति के दाव-पेंच नहीं समझती हों लेकिन उनके साथ भावनाएं जुड़ी हुई हैं। भले ही वह बारामती के महिला संगठनों तक सीमित रही हों लेकिन अब राज्य भर में अजित पवार समर्थकों को एक करने की क्षमता रखती हैं। एक नाम पार्थ पवार का भी है। अपने दोनों बेटों को दादा ने सक्रिय चुनावी राजनीति से दूर ही रखा है। पार्थ ने जरूर 2019 का लोकसभा चुनाव लड़ा था लेकिन हार के बाद सियासत से दूरी बना ली। दूसरा बेटा लंदन में बैठकर पिता का कारोबार संभालता है। यह भी माना जा रहा है कि पवार के समर्थक और वरिष्ठ नेता पार्थ को अपना नेता मानने में झिझक महसूस कर सकते हैं। अलबत्ता सुनेत्रा के नाम पर किसी को शायद ही एतराज हो।

वैसे एन.सी.पी. में प्रफुल्ल पटेल जैसे अनुभवी नेता भी हैं जो शरद पवार के लिए लंबे समय तक काम करते रहे हैं। शरद पवार के कारण ही वह यू.पी.ए. सरकार में मंत्री भी बनाए गए थे। पटेल गठबंधन की राजनीति के तमाम दाव-पेंच समझते हैं और इनके बीच में से अपने लिए रास्ता बनाना भी उन्हें बखूबी आता है। अलग-अलग दलों के नेताओं से उनकी दोस्ती, जान-पहचान है लेकिन अपने ही राज्य में कार्यकत्र्ताओं के बीच जमीनी पकड़ उतनी नहीं है जितनी उम्मीद किसी पार्टी अध्यक्ष से की जाती है। सुनील तटकरे भी मौका मिला तो एन.सी.पी. को संभालने की क्षमता रखते हैं। वैसे भी एन.सी.पी. की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष हैं और जमीनी कार्यकत्र्ताओं के बीच अच्छी पकड़ रखते हैं। कुछ लोग छगन भुजबल जैसे दलित नेता का भी नाम लेते हैं। हालांकि वह जेल से छूट कर फिर से सियासत में सक्रिय हैं लेकिन उन पर लग चुके आरोप उनका पीछा अभी भी नहीं छोड़ रहे। ऐसे में जो एकमात्र नाम बचता है, वह है शरद पवार। 84 साल की उम्र है, बीमार रहते हैं, रोजमर्रा की राजनीति उन्होंने बेटी सुप्रिया सुले और पोते रोहित पर छोड़ दी है। ऐसे नाजुक समय में वह फिर से एन.सी.पी. को नए सिरे से संगठित करने की क्षमता भी रखते हैं क्योंकि उन्हें राज्य भर के कैडर से सिर्फ एक अपील ही तो करनी है। यहां एक पेंच फंसता है। अगर दोनों धड़े एक होते हैं तो शरद पवार को तय करना होगा कि वह महायुति का हिस्सा बनेंगे या विपक्ष में बैठेंगे। सत्ता से दूर जाना क्या दादा की एन.सी.पी. के मंत्रियों और विधायकों को रास आएगा? यह अपने आप में बड़ा सवाल है? फिर इस बात की कोई गारंटी नहीं कि ऐसी परिस्थितियों में भाजपा एन.सी.पी. को तोड़ने की कोशिश नहीं करेगी। भाजपा को खुद का विस्तार करने का मौका मिलता है तो वह पीछे नहीं हटेगी। कहा जा रहा है कि अजित दादा जीते जी मुख्यमंत्री फडनवीस के काम आए और बदले माहौल में भले ही तात्कालिक रूप से फडनवीस को शिंदे झटके दे रहे हों लेकिन अगर एन.सी.पी. टूटती है तो फायदा फडनवीस को ही होगा। फडनवीस हमेशा से ही अजित पवार को सियासी दोस्त मानते रहे जो मुश्किल दौर में प्रत्यक्ष-परोक्ष रूप से साथ देता रहा। एन.सी.पी. में फूट और दादा का महायुति के साथ आना सब फडनवीस ने ही प्रायोजित किया था। यह बात है जुलाई, 2023 की। दिलचस्प है कि इसके 4 दिन पहले ही प्रधानमंत्री मोदी ने दादा पर चुनावी रैली में 70 हजार करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाया था। खैर, अब देवेंद्र फडनवीस के बचाव के लिए दादा नहीं हैं और कयासबाजी हो रही है कि भाजपा की नजर उनकी पार्टी पर है। राजनीति बहुत निर्मम होती है। महाराष्ट्र की राजनीति में तो कभी भी कुछ भी हो सकता है। बहुत कुछ शरद पवार पर भी निर्भर करता है। देखना दिलचस्प होगा कि वह क्या कदम उठाते हैं।-विजय विद्रोही

ठाणे के भव्य त्रिमंदिर में हुई मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा

- 3 दिनों तक धार्मिक समारोह
- दादा भगवान फाउंडेशन व महावीर जैन ट्रस्ट का आयोजन

ठाणे (उत्तरशक्ति)। सांस्कृतिक नगरी ठाणे के सबसे बड़े त्रिमंदिर में देवी देवताओं की भव्य-दिव्य मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा का समारोह शुक्रवार को शुरू हो गया. तीन दिनों तक चलने वाला यह धार्मिक एवं आध्यात्मिक अनुष्ठान दादा भगवान फाउंडेशन एवं महावीर जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित किया गया है. शुक्रवार को हजारों भक्तगणों की उपस्थिति में भगवान शिव,पार्वती देवी,श्री पद्मनाभ भगवान एवं देवी देवताओं की दिव्य मूर्तियों की प्राणप्रतिष्ठा परमपूज्य दीपक भाई, धमार्चार्य पंडितों एवं जैन मुनियों के सानिध्य में की गई.

इस अवसर पर मंदिर प्रांगण में राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, मनपा आयुक्त सौरभ राव, महावीर जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय आशर, ट्रस्टी दीपक भेड़ा, एमसीएचआई के अध्यक्ष सचिन मिरानी, पूर्व अध्यक्ष जितेंद्र मेहता सहित बड़ी संख्या में ठाणे की विभिन्न संस्थाओं से जुड़े अतिथि एवं भक्तगण उपस्थित थे.

संस्कृति समभाव का प्रतीक

इस त्रिमंदिर में विराजने वाले देवी देवताओं के मूर्तियों की दिव्य प्राणप्रतिष्ठा शनिवार व रविवार को भी पूजन, आरती के साथ भक्ति भाव से होगी. इसके साथ ही,आत्म ज्ञानी पूज्य दीपक भाई का रोजाना प्रवचन भी हो रहा है.

इन देवी देवताओं की प्राणप्रतिष्ठा

संगमरमर के सफेद पत्थरों से निर्मित त्रिमंदिर में श्री तिरूपति बालाजी, श्री गणपति जी, हनुमान जी,श्री तुलजा भवानी माताजी,श्री अम्बे माताजी,श्री समंधर स्वामी जी महाराज,श्री पद्मावती देवी, श्री पार्वती देवी, श्री पद्मनाभ भगवान, श्रीनाथजी,श्री चक्रेश्वरी देवी,

श्री भद्रकाली देवी,श्री ऋषभदेव भगवान,श्री अजितनाथ भगवान,

श्री पार्श्वनाथ भगवान

श्री महावीर भगवान

श्री चान्द्रायण यक्षदेव

श्री पंचांगुली यक्षिणी देवी,साईंबाबा की मूर्तियां की प्राणप्रतिष्ठा की जा रही है.

रिकॉर्ड समय में त्रिमंदिर का निर्माणमहावीर जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष अजय आशर ने कहा कि ठाणे वासियों के लिए आज गर्व का क्षण है. त्रिमंदिर के निर्माण से ठाणे शहर का गौरव बढ़ गया है. इस भव्य व दिव्य सर्वदेवसमावेशी त्रिमंदिर का निर्माण रिकॉर्ड समय में किया गया है. साकेत बालकुम रोड पर बने इस विशाल त्रिमंदिर का भूमिपूजन साढ़े तीन साल पहले आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत के हांथों हुआ था. संगमरमर के पत्थरों से निर्मित इस सर्वसमावेशी त्रिमंदिर में जैन तीर्थंकर भगवान के साथ हिंदू देवी देवताओं की मूर्तियां स्थापित की गई हैं.

AYUSH के लिए बीमा कवरेज, रिसर्च फंडिंग और बजट बढ़ाने की मांग: हमदर्द लेबोरेटरीज

मुंबई। हमदर्द लेबोरेटरीज के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी श्री अब्दुल मजीद ने 2026-27 में आयुष मंत्रालय के बजट में और वृद्धि की सिफारिश की है, ताकि आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, सोवा-रिग्पा और होम्योपैथी में बुनियादी ढांचे के विकास, डिजिटल पहलों, संस्थागत सशक्तिकरण और क्षमता निर्माण को समर्थन मिल सके। विश्वसनीयता और दुनिया भर में स्वीकार्यता बढ़ाने के लिए, क्लिनिकल रिसर्च, फामाकोविजिलेंस, शास्त्रीय औषधि सूत्रों के सत्यापन और इंटीग्रेटिव मेडिसिन हेतु समर्पित फंड आवंटित किए जाने चाहिए। यह कार्य केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS), केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (CCRUM), केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद (CCRH) और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से किया जा सकता है। श्री अब्दुल मजीद ने सार्वजनिक-निजी अनुसंधान साझेदारियों को मजबूत करने की भी आवश्यकता पर जोर दिया। प्रमुख सिफारिशों में सरकारी और निजी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं के तहत AYUSH उपचारों को शामिल करना भी है, ताकि ओपीडी इलाज, बीमारी से बचाव, लंबे समय तक चलने वाली बीमारियों के उपचार और रिकवरी से जुड़ी सेवाओं को कवर किया जा सके। इससे आम लोगों का जेब से होने वाला खर्च कम होगा, निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा और अ वरल्र को मुख्यधारा की स्वास्थ्य व्यवस्था से जोड़ा जा सकेगा। अपनी अपेक्षाओं पर टिप्पणी करते हुए श्री अब्दुल मजीद ने कहा, AYUSH भारत की पारंपरिक ज्ञान परंपरा, वैज्ञानिक प्रमाणिकता और आर्थिक अवसरों का अनूठा संगम है।

विरार ईस्ट-वेस्ट को जोड़ने वाले नारंगी रेलवे ओवरब्रिज का राजन नाईक ने किया निरीक्षण

विरार। विरार के ईस्ट और वेस्ट हिस्से को जोड़ने वाले नारंगी रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य में हो रही भारी देरी को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नालासोपारा विधायक राजन नाईक ने आज मौके पर पहुंचकर PWD, रेलवे प्रशासन और वसई-विरार महानगरपालिका के अधिकारियों से सीधे जवाब तलब किया। निरीक्षण के दौरान विधायक राजन नाईक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आम नागरिकों के सब्र की परीक्षा लेने वाली यह सुस्ती किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। फाइलों को इधर-उधर घुमाने, जिम्मेदारी से बचने और काम में ढिलाई बरतने की प्रवृत्ति अब बंद होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह ओवरब्रिज केवल एक निर्माण परियोजना नहीं, बल्कि विरारकरों की रोजमर्रा की ज़िंदगी से जुड़ा एक गंभीर मुद्दा है। हजारों नागरिक रोजाना इस ब्रिज के पूरा होने का इंतजार कर रहे हैं। इसलिए संबंधित सभी विभागों को बचे हुए कार्य तुरंत पूरा करने और ओवरब्रिज को जल्द से जल्द जनता के लिए खोलने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इस दौरान बड़ी संख्या में वसई-विरार भारतीय जनता पार्टी के कॉर्पोरेटर और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। BJP ने स्पष्ट किया कि विरारकरों के हक के लिए प्रशासन को जवाबदेह ठहराने की लड़ाई जारी रहेगी और जरूरत पड़ी तो सड़कों पर उतरकर आंदोलन भी किया जाएगा।

KJSIM ने एमबीए फॉर वर्किंग एक्जीक्यूटिव के लिए 7वें बैच की घोषणा की

मुंबई। सोमैया विद्याविहार यूनिवर्सिटी के प्रमुख बी-स्कूल, केजे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (KJSIM) ने अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम 'एमबीए फॉर वर्किंग एग्जीक्यूटिव्स' के सातवें बैच के लिए दाखिले शुरू कर दिए हैं। 15 महीने का यह गहन ऑनलाइन एग्जीक्यूटिव लीडरशिप प्रोग्राम खास तौर पर उन अनुभवी प्रोफेशनल्स के लिए तैयार किया गया है जो आज के अस्थिर और तकनीक-प्रधान बिजनेस परिवेश में उन्नत रणनीतिक और नेतृत्व कौशल हासिल करना चाहते हैं। यह प्रोग्राम सीखने का एक ऐसा अनुभव देता है जहाँ बुनियादी सिद्धांतों और उनके व्यावहारिक उपयोग का शानदार मेल मिलता है। यहाँ छात्रों को रणनीतिक सोच और डेटा के आधार पर सटीक फैसले लेने के लिए तैयार किया जाता है। साथ ही, उन्हें विवादों का समाधान, स्टेकहोल्डर्स का बेहतर प्रबंधन और प्रभावी संवाद जैसे जरूरी नेतृत्व गुण सिखाए जाते हैं। आज के डिजिटल दौर की चुनौतियों को ध्यान में रखकर बनाया गया यह कोर्स प्रोफेशनल्स को बिजनेस में बड़ा बदलाव लाने और एक सफल लीडर बनने में मदद करता है। यह नया बैच ऐसे समय में शुरू हो रहा है जब जॉब मार्केट में स्किल्स, सक्रियता और रणनीतिक नेतृत्व की भारी मांग है। 'इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025' के अनुसार, आधे से कुछ ज्यादा भारतीय ग्रेजुएट्स ही नौकरी के काबिल हैं, और कंपनियों में अब भी उच्च-स्तरीय प्रबंधन क्षमताओं वाले लोगों की कमी है। वहीं, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम और लिंक्डइन जैसी संस्थाएं भी मानती हैं कि विश्लेषणात्मक सोच, लीडरशिप और कम्युनिकेशन आज के सबसे जरूरी कौशल हैं। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए, यह प्रोग्राम प्रोफेशनल्स को फाइनेंस, एआई, मार्केटिंग और ऑपरेशंस जैसे विषयों में माहिर बनाता है। प्रोग्राम के बारे में केजे सोमैया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के डीन और डायरेक्टर डॉ. रमन रामचंद्रन ने कहा, यह एमबीए प्रोग्राम अनुभवी प्रोफेशनल्स को अपने नेतृत्व करने के तरीके पर नए सिरे से सोचने का अवसर और मंच प्रदान करता है।

जब नागजी आया तो अक्षय कुमार ने मजेदार डांस किया

मुंबई/पटना। अक्षय कुमार एक बार फिर व्हील ऑफ फॉर्च्यून में अपना सिग्नेचर ह्यूमर और जबरदस्त एनर्जी लेकर आए, जो एक पॉपुलर वर्ड-बेस्ड गेम शो है जहाँ कंटेस्टेंट एक बड़ा पहिया घुमाते हैं और एक्साइटिंग प्राइज जीतने के लिए पजल्स सॉल्व करते हैं। यह आइकॉनिक फॉर्मेट अब सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर भारतीय टेलीविजन पर अपनी मजेदार एनर्जी लेकर आया है। ऐसा ही एक मजेदार पल तब हुआ जब एक कंटेस्टेंट पहिया घुमाते समय नागजी पर रुका। इस पल ने तुरंत होस्ट अक्षय कुमार को मजेदार रिएक्शन देने पर मजबूर कर दिया, क्योंकि उन्होंने एक मजेदार डांस किया जिससे सब हंसने लगे। उनके चंचल मूव्स और जबरदस्त उत्साह ने गेम में ह्यूमर का तड़का लगा दिया, जिससे वह पल सच में यादगार बन गया। अक्षय कुमार के अचानक किए गए डांस ने न सिर्फ कंटेस्टेंट का मूड हल्का किया, बल्कि कॉमेडी और एंटरटेनमेंट के लिए उनकी नेचुरल प्रतिभा को भी दिखाया।

कॉपीमुक्त अभियान हेतु जिला स्तरीय सतर्कता समिति की बैठक आयोजित

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले में परीक्षाओं को पूर्णतः कॉपीमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से 29 जनवरी 2026 को जिलाधिकारी कार्यालय, पालघर में जिला स्तरीय सतर्कता समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एवं समिति की अध्यक्ष डॉ. इंदुराणी जाखड ने की। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक), शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक), शिक्षा विभाग (योजना), डायट के प्राचार्य सहित सतर्कता समिति के सभी सदस्य उपस्थित थे। बैठक में जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर नकलमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। विशेष रूप से संवेदनशील परीक्षा केंद्रों पर राजस्व विभाग के माध्यम से फ्लाइंग स्क्वॉड (भरारी पथक) तैनात करने का निर्णय लिया गया। ये टीमें अचानक निरीक्षण कर किसी भी प्रकार की अनियमितताओं पर कड़ी कार्रवाई करेंगी। जिलाधिकारी डॉ. इंदुराणी जाखड ने निर्देश देते हुए कहा कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारीपूर्वक कार्य करें। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर पर्यवेक्षण, सुरक्षा व्यवस्था तथा रिपोर्टिंग प्रणाली का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कॉपीमुक्त परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन द्वारा निरंतर निगरानी रखी जायेगी तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल अतिरिक्त कदम उठाये जायेंगे। मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि शिक्षा विभाग से जुड़े सभी अधिकारी एवं कर्मचारी परीक्षा अवधि के दौरान अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों का प्रभावी ढंग से निर्वहन करें।

आकाश जूनियर कालेज में तनाव से सफलता तक संगोष्ठी में विद्यार्थियों को तनाव प्रबंधन के दिए गए गुर

आचार्य सूरजपाल यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आकाश जूनियर कालेज ऑफ साइंस एंड कामर्स में अनंत द्विवेदी फाउंडेशन के सौजन्य से तनाव से सफलता तक : शिक्षा और जीवन में संतुलन के उपाय विषय पर एक प्रेरणादायी संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य प्रेरणा स्त्रोत संस्था के संस्थापक मनोज द्विवेदी एवं सह-संस्थापक शमीरा मनोज द्विवेदी रहे। इस संगोष्ठी का उद्देश्य विद्यार्थियों में परीक्षा के दौरान उत्पन्न होने वाले तनाव को कम करना तथा जीवन में संतुलन बनाए रखते हुए सफलता प्राप्त करने के उपायों से उन्हें अवगत कराना था। कार्यक्रम का शुभारंभ आकाश कालेज के चेयरमैन राजकुमार यादव के प्रेरणादायी संबोधन से हुआ।

इस अवसर पर डिग्री कालेज की प्राचार्या प्रमला श्रीनिवासन एवं जूनियर कालेज के प्राचार्य अभिषेक यादव भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में रिद्धि पटेल (मनोवैज्ञानिक), रीना द्विवेदी (मनोवैज्ञानिक एवं करियर परामर्शदाता) तथा सुमिता मिश्रा (मुख्य प्रशिक्षक एवं कैरियर परामर्शदाता) उपस्थित रहीं। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को परीक्षा के समय तनाव नियंत्रित करने, आत्मविश्वास बढ़ाने और लक्ष्य पर केंद्रित रहने के लिए उपयोगी सुझाव दिए।

वक्ताओं ने बताया कि जीवन में सफलता के लिए मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य का संतुलन अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए उन्होंने पर्याप्त जल सेवन, सात से आठ घंटे की नींद, नियमित व्यायाम, संतुलित एवं पौष्टिक आहार, ध्यान (मेडिटेशन) और गहरी श्वास लेने जैसी आदतों को अपनाने पर जोर दिया। संगोष्ठी में यह भी बताया गया कि पढ़ाई के साथ आत्मसंयम, सकारात्मक सोच और समय का सही उपयोग ही सफलता की कुंजी है। कार्यक्रम के समापन पर विद्यार्थियों ने इस संगोष्ठी को अत्यंत उपयोगी, मार्गदर्शक और प्रेरणादायी बताया।

भिवंडी आगरी महोत्सव में संपादक डा. किशोर पाटील का किया गया भव्य सम्मान

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। सभी समाज वर्गों को साथ लेकर चलने और सामाजिक एकता का संदेश देने वाले उपक्रम के रूप में भिवंडी आगरी महोत्सव ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। साई सेवक प्रतिष्ठान एवं शैक्षणिक संस्था की ओर से शनिवार 24 जनवरी 2026 से बुधवार 28 जनवरी 2026 तक 15वें भिवंडी आगरी महोत्सव का आयोजन किया गया। यह महोत्सव ग्रुप ग्रामपंचायत क्रीडांगण, आदित्य कंपनी के पास, मुंबई-नाशिक महामार्ग, सोनाले, भिवंडी, जिला ठाणे में बड़े उत्साह के साथ संपन्न हुआ। भिवंडी आगरी महोत्सव 2026 के अध्यक्ष पद पर ठाणे जिला मजदूर फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान सदस्य श्री पंडित नकुल पाटील रहे। मनोरंजन, ज्ञान और प्रबोधन की त्रिसूत्री को अपनाकर समाज विकास के लिए कार्यरत साई सेवक प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित इस महोत्सव में दैनिक स्वराज्य तोरण के संपादक डा. किशोर बलिराम पाटील को शाल, श्रीफल एवं स्मृतिचिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर आगरी महोत्सव के संस्थापक अध्यक्ष विशुभाऊ म्हात्रे, स्वागताध्यक्ष डा. यशवंत महादू सोरे, कार्याध्यक्ष हनुमान पाटिल, उपाध्यक्ष संतोष पाटील, सलाहकार डा. भगवान हेंदर ठाकूर, अमर म्हात्रे, रमेश कराळे, विधि सलाहकार एडवोकेट शशिकांत गोतरणे सहित सभी उपाध्यक्ष एवं सम्माननीय सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित थे। उपस्थित मान्यवरों ने कहा कि इस महोत्सव ने सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक क्षेत्र में आगरी समाज के योगदान को नई दिशा देने का कार्य किया है।

राजन नाईक ने कोंकण डिविजनल कमिश्नर से की महत्वपूर्ण मुलाकात

नवी मुंबई (उत्तरशक्ति)। नवी मुंबई स्थित कोंकण डिविजनल कार्यालय में कोंकण डिविजनल कमिश्नर डॉ. विजय सूर्यवंशी के साथ वसई-विरार शहर के ज्वलंत एवं लंबे समय से लंबित मुद्दों को लेकर एक ठोस और निर्णायक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में वसई-विरार के नागरिकों से जुड़े अहम विषयों—जैसे पेयजल आपूर्ति, सड़कों की बदहाल स्थिति, ड्रेनेज व्यवस्था, अनधिकृत निर्माण, ट्रांसपोर्टेशन और अन्य बुनियादी सुविधाओं—पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन के समक्ष जनता की समस्याएं मजबूती से रखी गईं और शहर के विकास में बाधा बन रहे मुद्दों पर त्वरित कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए। इस अवसर पर नालासोपारा विधायक राजन नाईक के साथ भाजपा वसई-विरार जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका श्रीमती प्रज्ञा पाटिल ताई, महासचिव मनोज बारोट, वसई-विरार ग्रुप लीडर अशोक शेलके, नगरसेवक जे. पी. सिंह तथा नगरसेवक योगेश सिंह उपस्थित रहे।

भारतीय जनता पार्टी वसई-विरार के सर्वांगीण विकास, नागरिकों के अधिकारों और शहर के स्वाभिमान के लिए निरंतर और मजबूती से संघर्ष करती रहेगी।

'टीसर्व सेलेक्ट' मल्टी-ब्रांड सर्विस आउटलेट शुरू

मुंबई। टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने आज बेंगलुरु में अपने पहले मल्टी-ब्रांड रिटेल सर्विस आउटलेट टीसर्व सेलेक्ट के उद्घाटन की घोषणा की। टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, किर्लोस्कर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड, त्रिचूर सुंदरम संथानम फैमिली (टीएसएसएफ ग्रुप) और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर प्राइवेट लिमिटेड (टीकेएम) का एक जॉइंट वेंचर है।

यह नई कंपनी भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार की लगातार ग्रोथ और ग्राहकों की बदलती उम्मीदों को देखते हुए स्थापित की गई है, जिसमें सभी ब्रांड्स में संगठित, पारदर्शी और भरोसेमंद सर्विस सॉल्यूशंस की बढ़ती मांग है। इस बढ़ती मांग के बावजूद भारत के ऑटोमोटिव सर्विसिंग बाजार का एक बड़ा हिस्सा अभी भी बिखरा हुआ और असंगठित है, जो ग्राहकों को सर्विस देने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है। टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस प्रशिक्षित टेक्नीशियन, मजबूत क्वालिटी सिस्टम और ग्राहक-केंद्रित प्रक्रियाओं द्वारा समर्थित व्यापक मल्टी-ब्रांड वाहन सर्विस सॉल्यूशंस प्रदान करेगा।

पहला टीसर्व सेलेक्ट आउटलेट केआर पुरम, बेंगलुरु में शुरू किया गया है, जो आधुनिक डायग्नोस्टिक क्षमताओं और कुशल कर्मचारियों से लैस है। टीसर्व सेलेक्ट कंपनी के स्वामित्व वाले [टोयोटा किर्लोस्कर सुंदरम ऑटोमोटिव सॉल्यूशंस] आउटलेट का प्रतिनिधित्व करता है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, क्वालिटी, सुरक्षा और ग्राहक अनुभव पर जोर देते हैं। यह वेंचर बाजार की क्षमता और भरोसेमंद, हाई-स्टैंडर्ड व्हीकल सर्विस प्रोवाइडर्स के लिए बढ़ती पसंद के अनुरूप, प्रमुख भारतीय शहरों में अपने विस्तार की योजना बना रहा है। कंपनी ने श्री राजेश मेनन को प्रेसिडेंट नियुक्त किया है। ऑटोमोबाइल सेक्टर में कई फंक्शन में 35 से अधिक वर्षों के अनुभव के साथ, वह भारत के बदलते ऑटोमोटिव सर्विस परिदृश्य के अनुरूप एक स्केलेबल, ग्राहक-केंद्रित सर्विस नेटवर्क बनाने में संगठन का नेतृत्व करेंगे। टीसर्व सेलेक्ट के साथ, टीसर्व ट्रेडमार्क के तहत थर्ड पार्टी मल्टी-ब्रांड सर्विस आउटलेट्स का एक बड़ा नेटवर्क है, जो भारतीय ग्राहकों को बेहतर पहुंच और सुविधा के साथ सर्विस देगा, और अलग-अलग बाजारों में अपनी मौजूदगी बढ़ाते हुए लगातार सर्विस स्टैंडर्ड सुनिश्चित करेगा, जो अभी 150 है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए किर्लोस्कर सिस्टम्स की चेयरपर्सन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती गीतांजलि किर्लोस्कर ने कहा, हमारे पहले सर्विस आउटलेट का उद्घाटन एक कस्टमर-फ्रेंडली ऑटोमोटिव सर्विस प्लेटफॉर्म बनाने में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

जैसे-जैसे भारतीय ग्राहक पारदर्शिता और भरोसे को ज्यादा महत्व दे रहे हैं, हमारा ध्यान सभी वाहन ब्रांडों में उच्च-गुणवत्ता और भरोसेमंद सर्विस देने पर है। टीएसएसएफ ग्रुप के डायरेक्टर श्री श्रीवत्स राम ने कहा, इस फेसिलिटी का लॉन्च पेशेवर व्हीकल सर्विस को अधिक सुलभ और किफायती बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ता है। ग्राहकों की उम्मीदों और संगठित सर्विस विकल्पों की उपलब्धता के बीच के अंतर को दूर करके, हमारा लक्ष्य ऐसे भरोसेमंद समाधान पेश करना है जो स्वामित्व यात्रा के दौरान मूल्य प्रदान करें।

किआ इंडिया ने किआ इंस्पायरिंग ड्राइव प्रोग्राम लॉन्च किया

मुंबई। किआ इंडिया, एक प्रमुख प्रीमियम कार निमार्ता, ने आज न्यू किआ सेल्टोस के साथ अपने किआ इंस्पायरिंग ड्राइव (K.I.D) प्रोग्राम को दोबारा लॉन्च किया है। इस रीलॉन्च ने ब्रांड की सड़क सुरक्षा, जिम्मेदार ड्राइविंग व्यवहार और ग्राहकों के साथ बेहतर जुड़ाव बनाने के प्रति कंपनी की प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है। K.I.D प्रोग्राम किआ के कनेक्टेड प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में ग्राहकों के लिए चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा, और इसे किआ कनेक्ट ऐप के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है। किआ इंस्पायरिंग ड्राइव प्रोग्राम एक ड्राइविंग स्कोर पहल है जो रीयल-टाइम में गाड़ी चलाने के तरीके को देखता है और ग्राहकों को उनकी ड्राइविंग आदतों पर उपयोगी टिप्स देता है। सटीकता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए, ङ.कऊस्कोर गाड़ी के वजन वाले मूल्य पर आधारित कैलकुलेट किया जाता है। इसमें तेज स्पीड बढ़ाना, तेज ब्रेक लगाना और अचानक स्टार्ट करने जैसे मुख्य पॉइंट्स पेर तीन महीने का औसत लिया जाता है। यह तरीका सुनिश्चित करता है कि स्कोर एक-दो बार की घटनाओं की बजाय लगातार और असली लंबे समय के ड्राइविंग पैटर्न को दिखाए। यह पहल न केवल सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देती है बल्कि प्रोग्रेस की ट्रैकिंग, मान्यता और सामुदायिक-आधारित लीडरबोर्ड के माध्यम से ग्राहक जुड़ाव को भी बढ़ाती है जो ड्राइवरों को शीर्ष सुरक्षा स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति देती है।

सुरक्षा के लिए एक समुदाय-चालित दृष्टिकोण - व्यक्तिगत डेटा से परे, किआ सड़क सुरक्षा को एक सहयोगी अनुभव में बदल रहा है। ङ.कऊ प्रोग्राम अब एक समुदाय-निर्माण पहल के रूप में कार्य करता है जहां ग्राहक स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। किआ के ओनर्स एक-दूसरे के साथ स्कोर की तुलना कर सकते हैं, समुदाय में अपनी स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं, और अपने साथियों को पीछे छोड़ने के लिए अपने ड्राइविंग व्यवहार में सुधार करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जिससे सुरक्षा की दिशा में यात्रा इंटरैक्टिव और रिवार्डिंग दोनों बन जाती है।

K.I.D प्रोग्राम के रीलॉन्च पर बात करते हुए, किआ इंडिया के मार्केटिंग और सेल्स के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट श्री अतुल सूद ने कहा, सुरक्षा किआ की फिलॉसफी का मुख्य हिस्सा है। न्यू सेल्टोस के साथ किआ इंस्पायरिंग ड्राइव प्रोग्राम को दोबारा शुरू करके, हम जिम्मेदार ड्राइविंग को बढ़ावा देने के लिए एक और महत्वपूर्ण कदम उठा रहे हैं। ग्राहकों को उनके ड्राइविंग स्टाइल के बारे में साफ और डेटा-आधारित जानकारी देकर, K.I.D प्रोग्राम उन्हें सड़क पर सुरक्षित फैसले लेने में मदद करता है और गाड़ी रखने के उनके मालिकाना अनुभव को भी बेहतर बनाता है।

K.I.D प्रोग्राम गाड़ी चलाते समय के रीयल-टाइम डेटा का इस्तेमाल करके असली ड्राइविंग स्टाइल पर आधारित सटीक और पारदर्शी स्कोर देता है, न कि सिर्फ अनुमानों पर। इसका व्यवहार-आधारित स्कोरिंग सिस्टम आसान और जिम्मेदार ड्राइविंग को पुरस्कृत करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो किआ के सुरक्षा को प्राथमिकता देने के नजरिए को मजबूत करता है और ग्राहकों को उनकी ड्राइविंग आदतों के सड़क सुरक्षा पर प्रभाव को बेहतर ढंग से समझने में मदद करती है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालयः
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाप हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजुरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पुणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाप हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

ब्यूटी पार्लर में घुसकर युवती के साथ की अश्लील हरकत

रियाजुल हक

गौराबादशाहपुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में एक ब्यूटी पार्लर में घूसकर एक मनबढ युवक ने युवती के साथ अश्लील हरकत करने लगा। महिला के तहरीर पर पुलिस उक्त मनबढ युवक व एक अज्ञात युवक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

बता दें कि 28 जनवरी बुधवार को गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के एक परौवा गांव की एक 19 वर्षीय युवती बुधवार को अपने परिजनों के साथ एसपी डॉ कौस्तुभ को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि गत 21 जनवरी की शाम छह बजे दूसरे गांव का एक मनबढ युवक अपने एक दोस्त के साथ युवती के ब्यूटी पार्लर में घुस गया।

एसपी के आदेश पर एक नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

और युवती के साथ जबरदस्ती अश्लील हरकत करने लगा। युवती के शोर मचाने पर युवती का भाई और कई लोग दौड़ कर आ गए। तब तक उक्त मनबढ युवक धमकी देते हुए फरार हो गया। युवती ने बताया कि इस घटना के बाद से ही उसके परिजनों के मन मे भय व्याप्त है और उक्त मनबढ़ो द्वारा लगातार मारने पीटने की भी धमकी दी जा रही है। युवती ने एसपी डॉ कौस्तुभ से कार्रवाई की मांग की।

थानाध्यक्ष गौराबादशाहपुर प्रवीण यादव ने बताया कि पुलिस अधीक्षक महोदय के आदेश पर परौवा गांव की युवती के तहरीर पर शहाबुद्दीनपुर गांव के एक युवक और एक अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन की जा रही है।

नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 के विजेता विशाल प्रजापति को भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने किया सम्मानित

इमितयाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी के जौनपुर जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने नेशनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 के स्वर्ण पदक विजेता विशाल प्रजापति को बुधवार को उनके आवास पर स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने विशाल की उपलब्धि को जिले और प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण बताया। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के जनपद जौनपुर स्थित ग्राम सभा हमजापुर निवासी, अवध नारायण प्रजापति के पौत्र एवं एड. सुधाकर प्रजापति के सुपुत्र विशाल प्रजापति ने 30/31 दिसंबर 2025 को उड़ीसा ताइक्वांडो यूनियन द्वारा आयोजित 8वीं नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल हासिल किया। इस उपलब्धि से उन्होंने न केवल अपने गांव और जिले, बल्कि पूरे प्रदेश का नाम रोशन किया है।

विशाल प्रजापति जनपद के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान आर.एन. टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल बोदकरपुर, जौनपुर के कक्षा 8 का छात्र हैं। विद्यालय का संचालन जमुहाई डिग्री कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. पी.के. सिंह द्वारा किया जा रहा है। पढ़ाई के साथ-साथ विशाल ने मोहम्मद हसन ताइक्वांडो अकादमी जौनपुर, सपोर्टेड बाई ताइक्वांडो परफॉर्मेंस सेंटर (टी.पी.सी) के प्रशिक्षक अभिनव मोदनवाल, नितेश सेठ एवं रजनीश चतुर्वेदी के कुशल मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर यह मुकाम हासिल किया।

सम्मान समारोह में टी.पी.सी प्रशिक्षक टीम, आर.एन. टैगोर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के संस्थापक/प्रबंधक डॉ. पी.के. सिंह, सुनील कुमार यादव उर्फ मम्मन, ब्लॉक प्रमुख करंजाकला, बसंत प्रजापति सभासद, राहुल प्रजापति, विरेन्द्र प्रजापति बीरु, विनोद प्रजापति, मनोज कुमार मिश्र एडवोकेट पूर्व अध्यक्ष कलेक्ट्रेट जौनपुर, आलोक शुक्ल एडवोकेट, महेन्द्र प्रजापति चक्रदूत प्रजापति समाज, देवेंद्र प्रजापति, जितेंद्र प्रजापति, प्रभाकर प्रजापति, डा. विनय कुमार प्रजापति, पवन कुमार प्रजापति, एडवोकेट अजय कुमार प्रजापति, एडवोकेट राजेश प्रजापति, सुजीत सिंह शेरु, संजय कुमार पाठक सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जौनपुर में डीआरएम के टोटी खोलने पर नहीं निकला पानी, जिम्मेदारों को निलंबित करने की चेतावनी

जफराबाद,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद रेलवे स्टेशन का डीआरएम सुनील कुमार वर्मा ने शुक्रवार को निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान कई खामियां मिली।जिस पर वे विफर पड़े। उन्होंने एक विभाग के कर्मियों को बर्खास्त करने की बात कह डाली। जफराबाद रेलवे स्टेशन पर पहुंचकर डीआरएम श्री वर्मा ने विद्युत, पेयजल तथा शौचालय व साफ सफाई की व्यवस्था का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने पेयजल की व्यवस्था के बारे में पूछा। सम्बंधित अधिकारी ने कहा टोटियों में पानी आ रहा है।जब वे मौके पर पहुंचे तो वहां प टोटी में पानी नही आ रहा था।जिसपर वह काफी भड़क गए, जिसके बाद सम्बंधित अधिकारियों के साथ पानी टँकी के पास बने पम्प रूम पहुंचे।वहां दरवाजे में लगे ताले की चाभी नही मिली। उन्होंने ताला तुड़वाकर अंदर देखा।वहां पर भी गड़बड़ी मिली। उन्होंने तत्काल सम्बंधित अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि सोमवार तक अगर पेयजल की व्यवस्था ठीक नही हुई तो जिम्मेदार लोगों को बर्खास्त करें।इसके अलावा स्टेशन पर बने शौचालय में पानी की समस्या मिली। सैनेटरी बॉक्स में पैड नही मिले। जिस पर उन्होंने स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को निर्देश दिया कि शाम तक पैड सेनेटरी बॉक्स में रखवाकर फोटो हमको भेजे। इसके अलावा स्टेशन पर साफ सफाई की व्यवस्थाओं को तत्काल कराने के लिये कहा। स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार को कहा कि स्टेशन की और जो खामियां है उसे सम्बंधित विभाग को बताये।जब उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभाग को पत्र लिखकर बता दिया गया है। इस पर उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को भी फटकार लगाए। स्टेशन पर मौजूद जनप्रतिनिधियों ने स्टेशन के आस पास कमियों को बताया तो उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी का निराकरण होगा। निरीक्षण के दौरान एडीआरएम डीके यादव, सीनियर डीसीएम कुलदीप तिवारी, ओपी तिवारी, रजनीश श्रीवास्तव, टीआई पंकज कुमार सिंह आदि रहे।

संजीव साहू बनाये गये जिलाध्यक्ष

व्यापारी हित के लिये सदैव खड़ा रहेगा लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल: श्रवण जायसवाल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के जोगियापुर में लोक शक्ति उद्योग व्यापार मण्डल उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष श्रवण जायसवाल की

अध्यक्षता में व्यापारियों की आम बैठक बुलाकर जिला कमेटी का घोषणा की गयी। इस मौके पर सर्वसम्मत से जिलाध्यक्ष के रूप में संजीव साहू को मनोनीत किया गया। वहीं जिला महामंत्री शशि श्रीवास्तव, जिला उपाध्यक्ष देवेंद्र साहू, जिला कोषाध्यक्ष रंजीत सोनकर, जिला मंत्री गगन जायसवाल का मनोनयन किया गया।

इस मौके पर सभी पदाधिकारियों को माल्यार्पण करते हुये प्रदेश अध्यक्ष जायसवाल ने कहा कि आज आप सभी का मनोनयन करते हुये हर्ष हो रहा है कि जो लोग व्यापारी हितों हेतु संघर्ष में सदैव शामिल रहे, उनका पदों पर आसीन करना फक्र की बात है। यह जो पद आप सभी को दिये गये हैं, वह कांटो भरा तक है। आये दिन व्यापारिक समस्याएं आती रहती हैं जिसके लिये आप सभी को उनके हितों की रक्षा हेतु सदैव तत्पर रहना पड़ेगा। दृढ़ संकल्प इस बात का आप सभी को लेना है कि व्यापारी हित सर्वोपरि है और रहेगा।

वहीं प्रदेश महामंत्री अनवारूल हक ने कहा कि हमारा व्यापार मण्डल हमारे हमेशा संघर्षों की कहानी लिखता रहा है। आप सभी को संकल्प लेना पड़ेगा कि इस परम्परा को आगे बढ़ाना है। साथ ही मनोनीत जिलाध्यक्ष संजीव साहू ने कहा कि संगठन का नेतृत्व जो भी आदेश देगा और जहां भी व्यापारियों को आवश्यकता पड़ेगी, वहां हम सभी खड़े मिलेंगे। इस अवसर पर प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर बहादुर सेठ, प्रदेश उपाध्यक्ष अमरनाथ मोदनवाल, प्रदेश मंत्री सुनील चौरसिया, राजेश यादव, गणेश साहू, सुभाष गुप्ता, मनोज जायसवाल, भाई जी साहू, पवन जायसवाल, रतन जायसवाल सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

शहीद दिवस पर शहर कांग्रेस कार्यालय में महात्मा गांधी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहीद दिवस के अवसर पर आज शहर की सब्जी मंडी स्थित शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर कांग्रेस

कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें खिराज-ए-अकीदत पेश की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महात्मा गांधी केवल एक व्यक्ति नहीं थे, बल्कि वे एक विचार, एक विचारधारा और एक प्रतीक थे। वे इंसानियत, न्याय, अहिंसा और संघर्ष की जीवंत मिसाल थे। गांधी जी की आवाज देश के मजदूरों, शोषितों, वंचितों और समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचती थी। उन्होंने असमानता के बीच समानता, अत्याचार के विरुद्ध सत्य और गुलामी के विरुद्ध आजादी का मार्ग दिखाया। शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा कि गांधी जी आज भी जीवित हैं– मजदूरों के संघर्ष में, तानाशाही के खिलाफ आंदोलन में, पिछड़ों की लड़ाई में, मजलूमों के इंसाफ की आवाज में और हर उस व्यक्ति के भीतर जो न्याय और सत्य के लिए खड़ा होता है। गांधी जी हिंदुस्तान के कण-कण में और जन-जन में बसते हैं। इस अवसर पर वक्ताओं ने संकल्प लिया कि वे सदैव गांधीवादी विचारधारा पर चलते हुए न्याय, इंसाफ और भाईचारे की लड़ाई लड़ते रहेंगे तथा देश में अमन, शांति और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसी लाल प्रकाश पाल, बाडू राम, शहनवाज मंजूर, ताहिर, गौरव कुशवाहा, मकसूद खान, तौसीफ अहमद, रईस अहमद, सारिक हुसैन, रिंकू पंडित। इकबाल हुसैन आदि कांग्रेसजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में जय हिंद, जय गांधी और हिंदुस्तान ज़िंदाबाद के नारों के साथ महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वाराणसी के थाना शिवपुर क्षेत्र में छेड़खानी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के थाना शिवपुर वीडीए कॉलोनी निवासी शकील मोहम्मद पुत्र सोनू ने कथित तौर पर एक हिंदू युवती के घर में घुसकर छेड़छाड़ की। आरोपी ने युवती को जबरन खींचकर ऑटो में बिठाने की कोशिश की और भागने का प्रयास किया। युवती के जोर-जोर से शोर मचाने पर आसपास के स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप किया और तुरंत शिवपुर पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने आरोपी शकील मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया। पीड़िता युवती ने थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है, जिसमें छेड़छाड़, अपहरण की कोशिश और जबरन ले जाने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। बताया जा रहा है कि आरोपी शकील पर पहले से ही कई आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिससे उसकी दबंगई का अंदाजा लगता है। यह घटना लव जिहाद के संदर्भ में देखी जा रही है, क्योंकि आरोपी ने युवती को लक्ष्य बनाकर घर में घुसकर यह हरकत की। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। स्थानीय लोग और पीड़िता परिवार ने सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का किया निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डा0 दिनेश चन्द्र और पुलिस अधीक्षक डा0 कौस्तुभ के द्वारा संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैरकों की सघन तलाशी ली गयी, जिसमे कुछ

भी आपत्तिजनक नही मिला। पाकशाला के निरीक्षण के दौरान बन्दियों को दिये जाने वाले खाने की गुणवत्ता के सम्बन्ध में तथा जेल अस्पताल में जाकर बन्दियों के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी और प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 प्रभात को निर्देशित किया गया कि नियमित रूप से बन्दियों के स्वास्थ्य की जांच की जाए। इस दौरान अधिकारियों के द्वारा बन्दियों से संवाद करते हुए उनके समस्याओं के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गई। इस अवसर पर जेल के अधिकारी एवं कर्मचारीगण सहित अन्य उपस्थित रहे।

मनरेगा खत्म किए जाने के विरोध में कांग्रेसियों ने किया प्रदर्शन

गरीबों, मजदूरों का हक छीन रही है मोदी सरकार: डा.प्रमोद सिंह

मुंगराबादशाहपुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केन्द्र सरकार द्वारा मनरेगा खत्म किये जाने के विरोध में ब्लाक कांग्रेस कमेटी मुंगराबादशाहपुर की अध्यक्ष राजकुमारी मिश्रा के नेतृत्व में स्थानीय पार्टी कार्यकताओं ब्लाक मुख्यालय पर प्रदर्शन कर महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को सौंपा। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार मजदूर विरोधी है, संघ और भाजपा महात्मा गांधी के नाम से नफरत करते हैं, दुर्भावना से

प्रेरित होकर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का नाम मिटाने के लिए मनरेगा कानून को खत्म किया गया है, पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री डा.मनमोहन सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र के मजदूरों,गरीबो, महिलाओं को गारंटी के तहत गांव में ही वर्ष में सौ दिन रोजगार पाने का अधिकार दिया था, मनरेगा से शहरी पलायन पर रोक लगी थी और ग्रामीण क्षेत्रों का क्रांतिकारी रूप से विकास भी हुआ,किंतु नरेन्द्र मोदी की सरकार मनरेगा खत्म कर-के गरीब, मजदूर और कमजोर वर्ग की महिलाओं के साथ अन्याय कर रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि उद्योगपतियों को लाभ पहुंचाने के लिए नरेंद्र मोदी मनरेगा को खत्म कर रहे हैं, गांव से शहरी पलायन तेजी से होगा, इससे पूंजीपतियों द्वारा मजदूरों का शोषण शुरू हो जायेगा? डा. प्रमोद सिंह ने कहा कि मोदी सरकार दुर्भावना से प्रेरित होकर काम कर रही है, यह सरकार जनता के संवैधानिक अधिकारों की हत्या कर रही है, सरकार के कारनामो से लोग स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डा.सिंह ने कहा कि मनरेगा कानून बहाल किए जाने तक कांग्रेस पार्टी का आंदोलन चलता रहेगा। इस मौके पर एडवोकेट सन्तोष पांडेय, शेर बहादुर सिंह, सूबेदार मौर्या, भिखाम सिंह ललित चौरसिया, अवधेश दुबे सहित सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

महात्मा गांधी और माखनलाल चतुवेर्दी की पुण्यतिथि पर भारत माता इन्स्टिट्यूट में लोगों ने किया नमन

◆ **विधायक रोहनियां डा. सुनिल पटेल ने की शिरकत**

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के राजातालाब, स्थित भारत माता इन्स्टिट्यूट आफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में शुक्रवार को माखनलाल चतुवेर्दी और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि मनायी गई। कार्यक्रम का शुरूआत बतौर मुख्य अतिथि विधायक रोहनियां डा. सुनिल पटेल ने दोनों विभूतियों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

करोड़ों भारतीयों के प्रेरणास्त्रोत: इस मौके पर विधायक डा. सुनिल पटेल ने बताया कि भारत के सबसे महान नेता व स्वतंत्रता सेनानी मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था। ब्रिटिश शासन से भारत की स्वतंत्रता के लिए सफल अभियान का नेतृत्व करने के लिए इन्होंने अहिंसक प्रतिरोध का इस्तेमाल किया है। इस दिन सिर्फ गांधी की ही नहीं स्वतंत्रता संग्राम सेनानी व कवि माखनलाल चतुवेर्दी की भी पुण्यतिथि मनाई जाती है। इस दिन लोग गांधी के विचारों के साथ चतुवेर्दी के देशप्रेम और त्याग को भी याद करते हैं। यह विशेष दिन हमारे देश के दो महान नेताओं को समर्पित है, जो हम करोड़ों भारतीयों के प्रेरणा

स्त्रोत हैं। इसके बाद प्राचार्य बंश नारायण शर्मा ने समस्त आगंतुकों, अभिभावकों, शिक्षकों एवं विद्यालय के छात्रों का हृदय से आभार व्यक्त करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों को याद करते हुए संस्थान के संस्थापक वीएम राम.के पुण्यतिथि पर उनके जीवनवृत्त चित्र पर प्रकाश डाला। संचालन निदेशक हंशनारायण शर्मा ने किया।

ये लोग रहे मौजूद: कार्यक्रम में विद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थियों सहित आराजीलाईन ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि डा. महेंद्र सिंह पटेल, निदेशक हंश नारायण शर्मा, डा. नरेंद्र पटेल, तेज बहादुर पटेल, फूलचंन्द्र राजभर, संजीव सिंह, राजकुमार गुप्ता, जीतलाल पटेल, अशोक कुमार शर्मा, अजय शर्मा, अयोध्या प्रसाद, राकेश पटेल समेत अन्य लोग उपस्थित।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में गांधी जी की पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा गांधी वाटिका में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं एनएसएस से जुड़े पदाधिकारियों ने महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रबंधन संकाय के प्रोफेसर मानस पांडेय ने कहा कि महात्मा गांधी के विचार आज भी समाज को सकारात्मक भाव से जीवन जीने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय की स्थापना महात्मा गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर हुई थी तथा उनके शहादत दिवस पर विश्वविद्यालय द्वारा *बापू बाजार* की

शुरूआत की गई, जो गांधीजी के आदर्शों को व्यवहार में उतारने का सशक्त प्रयास रहा है। बायोटेक्नोलॉजी विभाग के प्रोफेसर प्रदीप कुमार ने कहा कि महात्मा गांधी ने देश को एक सूत्र में बांधने के लिए अहिंसा को अपना मार्ग बनाया। उनके विचार और सिद्धांत वर्तमान समय में भी उतने ही प्रासंगिक हैं और समाज को दिशा देने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. शशिकांत यादव ने महात्मा गांधी के कृतित्व एवं व्यक्तित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। कार्यक्रम में डॉ. सुशील कुमार, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह, राकेश पांडे, अंजनी मिश्रा, निशा, दीपांजलि गुप्ता, प्रिंस सिंह, सुशील सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनसुनवाई में दिखी सख़्ती और संवेदनशीलता

पुलिस अधीक्षक डॉ.कौस्तुभ ने सुनी फरियादियों की समस्याएं

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर डॉ० कौस्तुभ द्वारा आज पुलिस कार्यालय पर जनसुनवाई आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतें लेकर पहुँचे। पुलिस अधीक्षक ने सभी फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरतापूर्वक सुनते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा दूरसंचार माध्यम से

संबंधित थाना प्रभारियों एवं अधिकारियों से वार्ता कर मामलों की प्रगति की जानकारी ली गई तथा लम्बित एवं संवेदनशील मामलों में शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट किया कि जनसमस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा पीड़ितों को समयबद्ध और निष्पक्ष न्याय दिलाना पुलिस प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं संबंधित थानों के प्रभारी अधिकारी उपस्थित रहे।

इलाज के लिए गई वृद्ध विधवा का मकान ढहाया, दबंगों पर एफआईआर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के रसोली गांव में दबंगों की दबंगई का सनसनीखेज मामला सामने आया है। गांव की एक 80 वर्षीय असहाय वृद्ध विधवा महिला का मकान दबंगों ने ताला तोड़कर ध्वस्त कर दिया। घटना के बाद पीड़िता बेघर हो गई है और खुले आसमान के नीचे जीवन बिताने को मजबूर है।

पीड़िता के अनुसार उनके पति का कई वर्ष पूर्व निधन हो चुका है। उनका कोई पुत्र नहीं है। इलाज के लिए वह कुछ समय के लिए अपनी बेटी के घर गई थीं। इसी दौरान गांव के ही कुछ लोगों ने बिना किसी प्रशासनिक आदेश के उनके मकान

का ताला तोड़ दिया, घर में रखा सामान निकाल लिया और पूरे मकान को गिरा दिया। इलाज के बाद जब वृद्धा वापस लौटीं तो उनका मकान पूरी तरह टूट चुका था। विरोध करने पर दबंगों ने जान से मारने की धमकी दी। सूचना मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची और पीड़िता को थाने ले जाकर तहरीर दिलाई गई। पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता का कहना है कि वृद्धावस्था और असहाय स्थिति के कारण वह दोबारा मकान बनवाने में असमर्थ हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए, मकान का पुनर्निर्माण कराया जाए और हुए नुकसान की भरपाई कराई जाए।

13 साल से भटक रहे फरियादी को एक घंटे में मिला न्याय, डीएम की जनसुनवाई में हुआ नाम संशोधन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में प्रशासन की सक्रियता का एक उदाहरण उस समय देखने को मिला, जब वर्षों से लंबित एक नाम संशोधन संबंधी प्रकरण का जिलाधिकारी डा. दिनेश चन्द्र ने मात्र एक घंटे में निस्तारण करा दिया। जनसुनवाई के दौरान नकटुपुर,

नाम की मामूली त्रुटि बनी थी परेशानी, मौके पर ही उपलब्ध कराई गई खतौनी

हवेली, सदर निवासी रवि शंकर पुत्र शिवबरन ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर अवगत कराया कि वर्ष 2012 में उनके पिता के निधन के बाद निर्विवाद वरासत के आधार पर अभिलेखों में राजेन्द्र प्रसाद, रवि शंकर एवं अरविंद कुमार का नाम दर्ज किया गया था, लेकिन कुछ खातों में उनका नाम रवि शंकर के स्थान पर शिव शंकर दर्ज हो गया। इसी मामूली त्रुटि के कारण वे बीते 13झ14 वर्षों से नाम संशोधन के लिए परेशान थे। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल तहसीलदार सदर को जनसुनवाई कक्ष में तलब किया और मामले का त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। निर्देश के क्रम में तहसीलदार सदर द्वारा मात्र एक घंटे के भीतर

अभिलेखों में नाम की त्रुटि सुधार दी गई। इसके पश्चात जिलाधिकारी ने जनसुनवाई कक्ष में ही रवि शंकर को संशोधित खतौनी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि माननीय मुख्यमंत्री जी के स्पष्ट निर्देश हैं कि जनसुनवाई के दौरान आम जनमानस की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए उनका समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा से ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई की जा रही है, जहां मामूली त्रुटियों के कारण लोगों को वर्षों तक परेशान होना पड़ता है। जिलाधिकारी

डीएम के सख्त निर्देश तहसीलों में ऐसे मामलों में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

ने सभी तहसीलों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रकार के मामूली त्रुटि वाले प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल निस्तारित किया जाए। लापरवाही बरतने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। खतौनी प्राप्त होने के बाद फरियादी रवि शंकर ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए माननीय मुख्यमंत्री जी एवं जिलाधिकारी का आभार जताया और प्रशासन की कार्यप्रणाली की सराहना की।

मनरेगा का नाम बदलने के खिलाफ कांग्रेसियों ने दिया ज्ञापन

जौनपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर आज ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, बदलापुर की तरफ से राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी को देकर महात्मा गांधी राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम बदले जाने पर आपत्ति जताते हुए उसका नाम पुनः बहाल करने की मांग की गई। ज्ञापन में कहा गया है कि महात्मा गांधी के नाम पर चल रही राष्ट्रीय रोजगार योजना का नाम बदलना महात्मा गांधी का अपमान करना है। नए कानून से न सिर्फ वित्तीय संकट खड़ा हो रहा है अपितु मजदूरों के रोजगार को लेकर कोई व्यवस्था नहीं है। इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष कमला प्रसाद तिवारी, नगर अध्यक्ष शैलेश तिवारी, ब्लॉक प्रभारी विनोद त्रिपाठी, मुंशी रजा राम जियावन तिवारी, बाबूराम यादव, गामा निषाद, अरविंद पाल, आबिद अली,सोनम, विमला समेत अनेक लोग उपस्थित रहे।

GM मॉड्यूलर ने मुंबई में बॉर्डर 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग में CISF जवानों और आर्किटेक्ट्स को एक साथ लाया

मुंबई। GM मॉड्यूलर ने मुंबई में मेसन PVR, जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल, इङउ में बॉर्डर 2 की स्पेशल स्क्रीनिंग के साथ एक शानदार सिनेमैटिक शाम का आयोजन किया, जिसमें 400 से ज्यादा CISF जवानों के साथ आर्किटेक्ट्स और डीलर्स भी शामिल हुए। इस पहल को भारत के सुरक्षा बलों की हिम्मत, अनुशासन और सेवा को श्रद्धांजलि देने के लिए शुरू किया गया था, साथ ही एक साझा सांस्कृतिक अनुभव के जरिए आर्किटेक्चर और डिजाइन समुदाय के साथ GM मॉड्यूलर के लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव को भी मजबूत किया गया। इस कार्यक्रम में एक्टर अहान शेट्टी अपनी को-स्टार एक्ट्रेस अन्या सिंह के साथ मौजूद थे, जिनकी मौजूदगी ने फिल्म से जुड़ी देशभक्ति की भावना को और बढ़ा दिया। CISF जवानों के लिए स्क्रीनिंग के बाद, अहान शेट्टी और अन्या सिंह बॉर्डर 2 थीम वाली GM लग्जरी शोरूम ऑन व्हील्स बस से वेन्यू पर पहुंचे। GM मॉड्यूलर की 'नेशन फर्स्ट' वैल्यू पर आधारित, इस स्पेशल स्क्रीनिंग को देश की रक्षा करने वाले जवानों के प्रति सम्मान दिखाने के लिए किया गया था, जिसमें सिनेमा को सेवा, बलिदान और राष्ट्रीय गौरव को पहचानने के एक शक्तिशाली माध्यम के रूप में इस्तेमाल किया गया। इस पहल के बारे में बात करते हुए, GM मॉड्यूलर के उएड, जयंत जैन ने कहा, GM मॉड्यूलर में, हम हमेशा से मानते हैं कि एक ब्रांड की ज़िम्मेदारी सिर्फ. प्रोडक्ट्स और मार्केट में मौजूदगी से कहीं ज्यादा होती है। यह स्पेशल स्क्रीनिंग CISF जवानों को सम्मानित करने का हमारा दिल से किया गया प्रयास था, जो राष्ट्रीय सुरक्षा में सबसे आगे खड़े हैं और अटूट समर्पण के साथ देश की रक्षा करते हैं। साथ ही, आर्किटेक्ट्स और डीलर्स को एक साथ लाना उन लोगों के साथ रिश्ते बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है जो भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर और विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। इस पहल के जरिए, हम सम्मान, आभार और उद्देश्य पर आधारित एक साझा पल बनाना चाहते थे।

टाटा पावर ने बोकारो में ईजेड होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस लॉन्च की

बोकारो। देश की अग्रणी एकीकृत पावर कंपनी टाटा पावर ने बोकारो में अपने अत्याधुनिक ईजेड होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस की शुरूआत की है। यह पहल टाटा पावर और सूर्य मित्र एंटरप्राइजेज के संयुक्त प्रयास से पांडे ब्रिज के पास, चिरा चास, बोकारो में संपन्न हुई। इसके साथ ही शहर के निवासियों को स्मार्ट और ऊर्जा-कुशल होम सॉल्यूशंस की सुविधाजनक पहुंच मिलेगी। ईजेड होम ऑटोमेशन सॉल्यूशंस के तहत स्मार्ट सॉकेट्स, टच पैनल स्विचेज, रेट्रोफिटेबल स्मार्ट कन्वर्टर्स और मोशन सेंसर्स जैसे आधुनिक उत्पाद पेश किए गए हैं। ये समाधान ऐप-आधारित नियंत्रण, रियल-टाइम ऊर्जा निगरानी, स्वचालित शेड्यूलिंग, ओवरलोड सुरक्षा और ऑफलाइन कार्यक्षमता जैसी सुविधाओं से लैस हैं, जिससे घरों में सुरक्षा, सुविधा और बिजली खर्च प्रबंधन बेहतर होता है। कंपनी के अनुसार, ये समाधान नए और मौजूदा दोनों प्रकार के घरों के लिए उपयुक्त हैं तथा इन्हें आसानी से इंस्टॉल किया जा सकता है। बोकारो में शुरू किया गया ईजेड होम एक्सपीरियंस सेंटर उपभोक्ताओं के लिए एक वन-स्टॉप डेस्टिनेशन के रूप में कार्य करेगा, जहां वे स्मार्ट होम तकनीकों को प्रत्यक्ष रूप से देख और अपनी जरूरत के अनुसार चुन सकेंगे। यह लॉन्च बोकारो जैसे उभरते शहरों में भविष्य-उन्मुख, स्मार्ट और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देने की दिशा में टाटा पावर की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

वसई-विरार महानगरपालिका में भाजपा का नामांकन

वसई रोड। वसई-विरार महानगरपालिका में मेयर एवं डिप्टी मेयर पद के लिए भारतीय जनता पार्टी ने अपने उम्मीदवारों का नामांकन दाखिल किया है। शुक्रवार, 30 जनवरी को दोपहर 1:30 बजे भाजपा की ओर से एडवोकेट दर्शन अनिल त्रिपाठी (कोटक) ने मेयर पद के लिए तथा मांजरेकर नारायण सुरेश ने डिप्टी मेयर पद के लिए अपना नामांकन प्रस्तुत किया। इस संबंध में अधिकृत जानकारी वसई-विरार जिला महामंत्री मनोज बारोट ने दी। नामांकन प्रक्रिया के दौरान पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जियो-बीपी ने इंजन-क्लीनिंग एक्टिव टेक्नोलॉजी लॉन्च की

ठाणे/पालघर। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री, हरदीप सिंह पुरी ने आज गोवा में इंडिया एनर्जी वीक 2026 के दौरान जियो-बीपी के स्टाल का दौरा किया, जहां क्रांतिकारी एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल प्रदर्शित किया गया था। जियो-बीपी का एक्टिव पेट्रोल इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों को साफ करने, इंजन की क्षमता को बहाल और सुरक्षित रखने, और वाहन चालकों को सामान्य पेट्रोल की तुलना में सालाना लगभग 100 किमी तक अधिक दूरी तय करने में मदद करने के लिए बनाया गया है। और यह सब बिना किसी अतिरिक्त कीमत के उपलब्ध है। उपभोक्ताओं के लिए फायदे:जियो-बीपी का एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल आम वाहन चालकों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। यह स्मूथ

बिना किसी अतिरिक्त कीमत के सालाना 100 किमी तक अतिरिक्त ड्राइव देने वाला पेट्रोल

ड्राइविंग, हर टैंक से ज्यादा किलोमीटर और इंजन को साफ व सुरक्षित रखने में मदद करता है, वह भी बिना किसी अतिरिक्त लागत के। मुख्य विशेषताएं: इंजन के महत्वपूर्ण हिस्सों पर जमी पुरानी गंदगी को साफ करता है, जिससे इंजन बेहतर और स्मूथ चलता है। मजबूत क्लीन-अप परफॉर्मेंस देता है और नियमित उपयोग से इंजन को लंबे समय तक साफ और भरोसेमंद बनाए रखने में मदद करता है। सामान्य भारतीय दोपहिया और चारपहिया वाहनों के लिए सालाना 100 किमी तक अतिरिक्त ड्राइव में मदद, वह भी बिना किसी अतिरिक्त लागत के। भारत के बदलते और उन्नत फ्यूल मानकों के अनुरूप और मेंटेनेंस को कम करता है बीपी के 100 से अधिक वर्षों के वैश्विक फ्यूल रिसर्च अनुभव पर आधारित, जियो-बीपी का एक्टिव टेक्नोलॉजी वाला हाई-परफॉर्मेंस पेट्रोल व्यापक परीक्षण और विकास प्रक्रियाओं से गुजरा है। इसे उद्योग के मानक परीक्षणों के साथ-साथ भारत में उपयोग होने वाले इंजनों के अनुसार तैयार किए गए विशेष परीक्षणों से भी प्रमाणित किया गया है। वास्तविक परिस्थितियों में इसकी सफाई क्षमता को साबित करने के लिए जियो-बीपी ने कोयंबटूर टेस्ट ट्रैक पर एक मोटरसाइकिल को 4,000 किलोमीटर से अधिक चलाया। इस प्रभावशाली परीक्षण को इंडिया एनर्जी वीक में दर्शकों के सामने प्रस्तुत किया गया। जमी हुई गंदगी हटने से वाहन की परफॉर्मेंस, भरोसेमंद कार्यक्षमता और स्मूथ संचालन पर पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं। इससे जियो-बीपी के एक्टिव टेक्नोलॉजी वाले पेट्रोल के उपयोग से वास्तविक और स्पष्ट फायदे मिलते हैं। भारतीय दोपहिया और चारपहिया वाहनों की औसत वार्षिक माइलेज के आधार पर यह सुधार सालाना 100 किमी तक के अतिरिक्त लाभ में बदल सकता है। इस क्रांतिकारी उत्पाद पर बात करते हुए जियो-बीपी के चेयरमैन श्री सार्थक बेहुरिया ने कहा, भारतीय वाहन चालक ऐसे फायदे चाहते हैं जो रोजमर्रा में साफ दिखाई दें—जैसे स्मूथ चलने वाला इंजन, ज्यादा भरोसेमंद परफॉर्मेंस, कम मेंटेनेंस और उसी ईंधन खर्च में ज्यादा किलोमीटर। जियो-बीपी एक्टिव टेक्नोलॉजी के साथ हम ऐसा पेट्रोल लेकर आए हैं जो चलते-चलते इंजन को साफ करता है और नुकसानदायक जमाव को हटाने में मदद करता है। हमारा उद्देश्य उन्नत फ्यूल टेक्नोलॉजी को सभी के लिए सुलभ बनाना है, ताकि हाई-परफॉर्मेंस इंजन सफाई को एक मानक सुविधा के रूप में उपलब्ध कराया जा सके और पूरे भारत के ग्राहक हर दिन इसका लाभ उठा सकें। इस पर आगे बोलते हुए, जियो-बीपी के सीईओ अक्षय वाधवा ने कहा, आज गोवा में आयोजित इंडिया एनर्जी वीक 2026 में हमने दो मोटरसाइकिलें एक साथ प्रदर्शित की हैं—एक जो एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल पर चली है और दूसरी जो सामान्य पेट्रोल पर। आधुनिक बोरोस्कोप इमेजिंग के जरिए एक्टिव टेक्नोलॉजी पेट्रोल की इंजन सफाई क्षमता साफ दिखाई देती है।

शताब्दी समिट CTC ने एक ऐतिहासिक इवेंट में भारत के जाने-माने फाइनेंस और लीगल प्रोफेशनल्स को एक साथ लाया

मुंबई। चैंबर ऑफ टैक्स कंसल्टेंट्स (उळउ), जो टैक्स, अकाउंटिंग, कानूनी और संबंधित प्रोफेशन को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित एक नॉन-प्रॉफिट प्रोफेशनल एसोसिएशन है, ने द शताब्दी समिट: सेंटेनरी कॉन्फ्रेंस के साथ अपनी सौवीं सालगिरह सफलतापूर्वक मनाई। यह ऐतिहासिक इवेंट, जिसमें इंडस्ट्री और प्रोफेशन के जाने-माने लोग एक साथ आए, उळउ द्वारा सौ साल की सेवा, स्कॉलरशिप और लीडरशिप का एक शानदार सबूत था। इंडस्ट्री के लीडर्स ने देश में तेजी से बदलते आर्थिक और रेगुलेटरी माहौल पर अपनी राय साझा की। इस कॉन्फ्रेंस में इंडसइंड बैंक के चेयरमैन डेजिग्नेट (नॉन-एग्जीक्यूटिव) अरिजीत बसु चीफ गेस्ट और कीनोट स्पीकर के तौर पर शामिल हुए। भारत की आर्थिक यात्रा में लचीला फाइनेंस और ज़िम्मेदार विकासः प्रोफेशनल्स की अहम भूमिका विषय पर अपने कीनोट भाषण में, बसु ने भारत की विकास गाथा में नैतिक नेतृत्व, संस्थागत लचीलेपन और लंबी अवधि की सोच के महत्व के बारे में बात की। श्री बसु को भारत, जापान और वङ में बैंकिंग, बीमा, रेगुलेशन और ग्लोबल फाइनेंस में व्यापक अनुभव है। वह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और रइकलाइफ इंश्योरेंस के टऊ और उएड भी रह चुके हैं। उळउ के प्रेसिडेंट उअ जयंत गोखले ने कहा कि उळउ का शताब्दी समिट टैक्स, लीगल और कॉर्पोरेट प्रोफेशनल्स के लिए एक पावरफुल फोरम था, जहाँ उन्होंने पिछले 100 सालों में उळउ द्वारा हासिल की गई सीख और समझ को शेयर किया। ये चर्चाएँ हमारे सदस्यों को यह समझने में मदद करेंगी कि प्रोफेशनल, कमर्शियल और आर्थिक माहौल कैसे बदल रहा है और उभरती चुनौतियों से रणनीतिक रूप से कैसे निपटा जाए। इसमें गवर्नेंस, जवाबदेही, एडवाइजरी और कंसल्टेंसी प्रैक्टिस में टेक्नोलॉजी (जिसमें अक भी शामिल है) के बढ़ते इस्तेमाल से जुड़े कॉन्सेप्ट्स के बारे में अपडेट रहना शामिल होगा। यह इस बात का एक और सबूत है कि CTC हमेशा सबसे आगे रहने की कोशिश करता है। शताब्दी वर्ष समिति के चेयरमैन सीए विपुल चोकसी ने कहा कि शताब्दी समिट को उभरते ट्रेंड्स और आज की प्रोफेशनल चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए सोच-समझकर तैयार किया गया था और यह शताब्दी वर्ष की टैगलाइन- इंस्पायर, इनोवेट, इग्नाइट- को दिखाता है।

इस समिट में कई हाई-इम्पैक्ट पैनल डिस्कशन और बातचीत भी हुई, जिनमें आज प्रोफेशनल प्रैक्टिस को आकार देने वाले जरूरी विषयों पर चर्चा की गई। इनमें कैपिटल मार्केट में अकाउंटिंग, टैक्सेशन और FEMA से जुड़ी बातों को समझना, वैल्यूएशन से परे स्टार्ट-अप ग्रोथ के पीछे की सच्चाई, मार्केट साइकिल और कैपिटल मार्केट पर नजरिए, कम्प्लायंस और रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की बारीकियां; और प्रोफेशनल सर्विसेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का बढ़ता असर शामिल था।

पुलिस मुठभेड़ में तीन बदमाश गिरफ्तार, 10 किलो अरहर की दाल और तेल बरामद

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। थाना कप्तानगंज पुलिस ने बुधवार को इलाके में हुई मुठभेड़ में जहरखुरानी-झपट्टा व नकबजनी गिरोह का पदार्फाश करते हुए पांच में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में एक आरोपी घायल हो गया। जबकि दो अन्य आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग गए। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के पास से चोरी के औजार, असलहा, के साथ ही साबुन, तेल और 10 किग्रा अरहर की दाल भी बरामद किया है। एसपी ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि गिरोह के सदस्य गौरा पुलिया के पास किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। पुलिस ने घेराबंदी की तो बदमाशों ने जान से मारने की नियत से फायरिंग की। पुलिस ने आत्मरक्षा में नियंत्रित जवाबी कार्रवाई की, इसमें अमन निषाद पुत्र हनुमान निषाद के दाहिने पैर में गोली लग गई। उसे तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, आनंद उर्फ बाबी और अमन निषाद पुत्र दशमी निषाद को भी गिरफ्तार कर लिया गया।

समाजसेवी एवं उद्योगपति संजय मिश्रा के जन्मदिन पर जुटीं देश-प्रदेश की नामचीन हस्तियाँ

मुंबई। पट्टी विधानसभा क्षेत्र (249) में समाजसेवा के लिए अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके प्रसिद्ध समाजसेवी एवं उद्योगपति संजय मिश्रा का जन्मदिन मंगलवार को मुंबई में अत्यंत भव्य, आत्मीय और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाने, जरूरतमंद बेटियों के विवाह में सहयोग करने और संकट में खड़े लोगों के लिए सदैव आगे रहने वाले संजय मिश्रा के जन्मदिन पर देश-प्रदेश की कई बड़ी हस्तियाँ उन्हें बधाई देने विशेष रूप से मुंबई पहुँचीं। कार्यक्रम में हर ओर अपनत्व, स्नेह और सम्मान का भाव दिखाई दिया। उपस्थित अतिथियों ने संजय मिश्रा के सामाजिक कार्यों, सरल व्यक्तित्व और सेवा भाव की खुले मन से सराहना की। जन्मदिन का यह अवसर केवल उत्सव नहीं, बल्कि समाजसेवा के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश भी बन गया इस अवसर पर मनोज तिवारी (सांसद, उत्तर पूर्वी दिल्ली एवं प्रसिद्ध लोक गायक/अभिनेता) ने संजय मिश्रा को जन्मदिन की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि संजय मिश्रा समाज के उन लोगों में हैं, जो बिना किसी प्रचार के लगातार सेवा में लगे रहते हैं। बेटियों की शादी से लेकर जरूरतमंदों की मदद तक, उनका योगदान अनुकरणीय है। ऐसे लोग समाज की असली पूँजी होते हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और और अधिक सेवा करने की शक्ति प्रदान करे।

वहीं आचार्य पवन त्रिपाठी (कोषाध्यक्ष सिद्धि विनायक मंदिर एवं महासचिव भाजपा मुंबई) ने कहा कि संजय मिश्रा का जीवन सेवा, संस्कार और समर्पण का सुंदर उदाहरण है। उद्योगपति होते हुए भी उन्होंने अपनी जड़ों को नहीं छोड़ा और पट्टी क्षेत्र सहित समाज के हर वर्ग के लिए निरंतर कार्य किया। उनका यह भाव युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है इस अवसर पर अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें प्रमुख रूप से मनोज तिवारी सांसद, उत्तर पूर्वी दिल्ली एवं प्रसिद्ध लोक गायक/अभिनेता), अभिरामाचार्य जी महाराज, कृपाशंकर सिंह (पूर्व गृहमंत्री, महाराष्ट्र), आचार्य पवन त्रिपाठी (कोषाध्यक्ष सिद्धि विनायक मंदिर एंव महासचिव भाजपा मुम्बई), अखिलेश चौबे (एडवोकेट हाई कोर्ट एवं सचिव भाजपा महाराष्ट्र), आनंद दूबे (प्रवक्ता शिवसेना यूबीटी), कमलाशंकर मिश्रा (पूर्व कमिश्नर कस्टम मुंबई), अशोक कुमार सुमन (डिप्टी कमिश्नर ऑफ कस्टम नावाशिवा), मुकेश पाण्डेय (एडवोकेट हाई कोर्ट), संजय सिंह (प्रवक्ता भाजपा मुंबई), प्रभाकर शुक्ला (अध्यक्ष श्री रामलीला उत्सव समिति विक्रोली पार्क साईट), मनोज दूबे (नगरसेवक मीरा भयंदर), अनिल सावंत (नगरसेवक मीरा भयंदर), अरुण मिश्रा (चांदीपुर धाम), अविनाश त्रिपाठी (न्यूज एंकर), अवधेश मिश्रा (भोजपुरी कलाकार), अतुल पाण्डेय (टीवी कलाकार), आनंद पाण्डेय (उद्योगपति), विपुल जिलानी (उद्योगपति), प्रकाश बोरा (उद्योगपति), सतीश कर्मावत (उद्योगपति), मोहम्मद आरिफ भाई (उद्योगपति), राजेश मिश्रा (प्रदेश अध्यक्ष परशुराम सेना महाराष्ट्र), अविनाश पाण्डेय (पत्रकार), आशीष त्रिपाठी (मीडिया सेल प्रभारी, जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी), राजेश पाण्डेय (उपाध्यक्ष परशुराम सेना मुंबई), आशीष दूबे (उद्योगपति), मिथिलेश मिश्रा (अध्यक्ष ब्राह्मण एकता मंच चैरिटी ट्रस्ट),लेखक एवं हास्य कवि सुरेश मिश्रा, पत्रकार आदेश मिश्र, धनंजय मिश्रा, कैलाश मिश्रा, संतोष मिश्रा, राजेश मिश्रा, दीपक सुहाना उर्फ छोटका खेसारी (लोक गायक), दीपक त्रिपाठी (लोक गायक), रजनीश सिंह रिशु (एडवोकेट और इलाहाबाद छात्र नेता), सुरेंद्र पाण्डेय लल्लन पांडे (उद्योगपति), रमेश मिश्रा (भाजपा नेता), राजकुमार मिश्रा (भाजपा नेता), संजय शुक्ला बिरौती (भाजपा नेता), संजय सिंह (उद्योगपति), जितेंद्र सिंह जीतू (उद्योगपति), रोहित पाण्डेय (एडवोकेट), प्रिंस पाण्डेय (फि ल्म स्टूडियो) सहित बड़ी संख्या में शुभेच्छु, रिश्तेदार और इष्ट-मित्र उपस्थित रहे। अंत में संजय मिश्रा ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आप सभी का स्नेह और आशीर्वाद ही मेरी सबसे बड़ी ताकत है। मैं आगे भी समाज के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करता रहूँगा।

नरसिंह के .दुबे बाबूजी के सत्रहवें पुण्यस्मरण पर विविध कार्यक्रमों का आयोजन

आंनद कुमार मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। श्री नरसिंह के. दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं हास्पिटल द्वारा स्व.नरसिंह दुबे की 17 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आज 28 जनवरी को सुबह 10 बजे से रात 10.00 बजे तक विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया इसमे निःशुल्क चिकित्सा शिविर,सुदृढ बालक प्रतियोगिता, पाचन संस्थान पर आधारित वनौषधीयों की प्रदर्शनी, संभाषा प्रतियोगिता,भावपूर्ण श्रद्धांजली, विशुद्ध भोजपुरी-अवधी कवि संमेलन आदी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ' कार्यक्रम की शूरुवात दीप प्रज्वलन, धन्वंतरी पूजन और बाबूजी की प्रतिमा को माल्यार्पण से की गई ' निःशुल्क चिकित्सा

शिविर में 1127 मरीजों ने विभिन्न चिकित्सा का लाभ लिया ' जिसमे रक्त परीक्षण, इसीजी, एक्स-रे आदि निःशुल्क परीक्षण चिकित्सकों के सलाह के अनुसार किया गया। किफायती दाम में चष्मा वितरण भी किया गया ' महाविद्यालय के सभागृह में सुदृढ बालक प्रतियोगिता संपन्न हुई' नालासोपारा के प्रसिद्ध बालरोग तज्ञ डॉ.जयश्री देशपांडे तथा नालासोपारा के प्रसिद्ध आयुर्वेद के बालरोग विशेषज्ञ डॉ.सोनम कर्णावत ने बालकों का चयन किया इस प्रतियोगिता मे प्रथम पुरस्कार 1501/-द्वितीय पुरस्कार 1001/- तृतीय पुरस्कार 751/- प्रमाणपत्र एवं ट्रॉफी देकर विजेताओ को पुरस्कृत किया गया ' 6 माह से 2 साल तक में प्रथम पारितोषिक - शिव योगेश दांडेकर, द्वितीय पारितोषिक - आदित्य दिगंबर गवळी, तृतीय पारितोषिक. - ताशविक वैष्णव इनको दिया गया। 2 साल से 3 साल तक में प्रथम पारितोषिक - देवांश दीपेश राणे, द्वितीय पारितोषिक - गार्गी सचिन चव्हाण, तृतीय पारितोषिक - भूमी सिंह इनको दिया गया ' 3 साल से 5 साल तक में प्रथम पारितोषिक - आश्वि सिंह, द्वितीय पारितोषिक - शिवाय मिश्रा, तृतीय पारितोषिक- नैन्सी तिवारी इन्हें देकर पुरस्कृत किया गया। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की अकस्मात निधन की सूचना मिलने पर संभाषा प्रतियोगिता के प्रारंभ मे ही दो मिनट का मौन रख कर उनको श्रद्धांजली दि गयी।

संभाषा प्रतियोगिता के प्राथमिक दौर में चयनित 82 प्रतियोगियों में से 15 प्रतियोगियों ने अंतिम दौर में हिस्सा लिया। इसमे महाराष्ट्र राज्य के सभी वैद्यकीय, डेंटल, आयुर्वेद होमिओपॅथी, नर्सिंग,फिजिओथेरपी एवं अन्य क्षेत्र के विद्यार्थीयों ने सहभाग लिया। निलेश कारखानीस आर्किटेक्ट मुंबई, मंदार भानुशे सायन्स अँड टेक्नॉलॉजी विभागप्रमुख मुंबई युनिव्हर्सिटी, डॉ. सतीश पांडेय पूर्व अधिष्ठाता सोमय्या विद्या विहार मुंबई युनिव्हर्सिटी इन्होने गुणवत्ता के अनुसार स्पर्धकों को प्रथम, द्वितीय,तृतीय व उत्तेजनार्थ पुरस्कार के लिए चयनित किया। प्रथम पुरस्कार गायत्री प्रभात देसले येरला आयुर्वेद कॉलेज, खारघर, मुंबई को, द्वितीय पुरस्कार दिव्या दिपक पाटील नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को, तृतीय पुरस्कार कृपाली शंकर वटवकर नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज को तथा उत्तेजनार्थ चतुर्थ पुरस्कार शर्वरी पद्मनाभ कारखानीस ज्ञानदेव यशवंतराव पाटील कॉलेज नवी मुंबई को दिया गया। विजेताओको क्रमशः 10,000/- ,7500/-,5000/- ,3000/- नगद रकम, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। संस्था के कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर दुबे ,संस्था के अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे , डायरेक्टर डॉ ओमप्रकाश दुबे, संस्था के विश्वस्त नरेश दुबे एवं सभी निर्णायकों द्वारा मिलकर पुरस्कार वितरण का कार्यक्रम संपन्न हुआ।

ट्री हाउस रिजॉर्ट जयपुर: गुलाबी शहर के बाहरी इलाके में प्रकृति गोद में स्थित शानदार स्थान

मुंबई। पुराने दिल्ली राजमार्ग पर हरियाली के बीच, जयपुर से लगभग 40 किलोमीटर दूर, द ट्री हाउस रिजॉर्ट जयपुर - अ क्लब महिंद्रा एसोसिएट प्रकृति, डिजाइन और बेहतरीन मेहमाननवाजी का अनूठा संगम पेश करता है, जहां हर पल यादगार अनुभव बन जाता है। लगभग 13 एकड़ के दायरे में फैला और एक लाख पेड़ों के बीच स्थित यह रिजॉर्ट शहर से दूर सही मायने में मरूद्यान जैसा दिखता है। जयपुर की तुलना में यहां का तापमान हमेशा 2 से 3 डिग्री कम रहता है और चारों ओर हरियाली के बीच जीव-जंतु विचरण करते पाए जाते हैं है। यह रिजॉर्ट उन मेहमानों के लिए तैयार किया गया है जो शांति, रोमांच और प्रकृति के साथ गहरा जुड़ाव चाहते हैं। द ट्री हाउस रिजॉर्ट में प्रकृति के तत्वों को ध्यान में रखकर अलग-अलग श्रेणी के 72 कमरे तैयार किये गए हैं। सबसे शानदार पेशकश है - वॉटर विला है, जिसमें तीन तरफ से पानी से घिरे लकड़ी के केबिन हैं और यह रिजॉर्ट के शांत, एकांत वाले हिस्से में स्थित है। ये विला यहां आने वालों को बाकी दुनिया से दूर शांति प्रदान करने के लिए तैयार किए गए हैं। इस रिजॉर्ट के नाम के अनुरूप (सिग्नेचर) अनूठे ट्री हाउस कॉटेज, पेड़ों के चारों ओर बनाए गए

हैं, जिसमें हर यूनिट के अंदर ही एक पेड़ है, जो यहां आने वालों को अनोखा अनुभव प्रदान करता है। अर्थ हाउस कॉटेज, सीमित संख्या में हैं और ये सभी ईंट-सीमेंट से बने आकर्षक कॉटेज जैसे दिखते हैं। स्टूडियो-शैली में बना यह विशाल यूनिट शानदार है। इसके बाद सुपीरियर रूम आते हैं, जिसके तहत होटल-शैली के सुसज्जित कमरे उपलब्ध हैं। ये कम दिन की छुट्टियों और परिवारों के लिए आदर्श विकल्प हैं। सभी श्रेणियों के कमरों का आकार लगभग 340 से 350 वर्ग फुट के बीच है। हालांकि चुनिंदा विकल्प के तौर पर अतिरिक्त बिस्तर के साथ अतिरिक्त मेहमानों को ठहराने की भी सुविधा है।

द ट्री हाउस रिजॉर्ट जयपुर में खाने का आनंद में अपने-आप में अनूठा है। कई किस्म के खाने-पीने के आउटलेट अलग-अलग जायके और मिजाज की जरूरत पूरी करते हैं। स्पाइस, पूरे दिन चलने वाला डाइनिंग रेस्तरां, बफे और अ ला कार्ट विकल्प पेश करता है और यहीं मेहमान अपने पैकेज में शामिल भोजन का आनंद लेते हैं। कैफे चक राजस्थानी व्यंजनों का समकालीन स्वरूप प्रदान करता है, जो स्थानीय जायकों को आधुनिक तकनीक के मिश्रण के साथ पेश करता है और यह देर सुबह से लेकर रात अतिथियों को भोजन करने की सुविधा प्रदान करता है। अग्नि, मौसमी बारबेक्यू रेस्तरां, खाना पकाने के पारंपरिक राजस्थानी तरीकों से प्रेरित अनुभवात्मक डाइनिंग का विकल्प प्रदान करता है, जिसमें लाइव ग्रिल और सांस्कृतिक प्रदर्शन शामिल हैं। वायु, अर्थ हाउस भवन के ऊपर खुली हवा वाली जगह पर स्थित रूफटॉप बार है, जहां सर्दियों की शाम जीवंत हो उठती है।

पूर्व एमएलसी का जोरदार स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन क्षेत्र के सीताराम सिंह इंटरमीडिएट कॉलेज में शुक्रवार को स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि पूर्व सदस्य विधान परिषद वाराणसी बृजेश सिंह का कॉलेज के संस्थाध्यक्ष एवं उत्तर-प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष नरसिंह बहादुर सिंह ने माल्यार्पण, स्मृति एवं पुष्पगुच्छ भेंट करके भव्य स्वागत किया। बृजेश सिंह गजराज सिंह इंटर कॉलेज जमुनिया में आयोजित कंप्यूटर कक्ष के लोकार्पण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने जा रहे थे जहां मार्ग के किनारे स्थित कॉलेज में उनका जोरदार स्वागत हुआ। इसके पूर्व एमएलसी ने विद्यालय परिसर स्थित कटहरी महादेव मंदिर में दर्शन एवं पूजा अर्चना किया। इसके पश्चात वह कार्यक्रम स्थल जमुनिया की ओर रवाना हुए। स्वागत करने वालों में प्रबंधक पारसनाथ सिंह, प्रधानाचार्य विपिन कुमार सिंह, भाजपा नेता नरेंद्र बहादुर सिंह, त्रिलोचन पासवान, बृजेश यादव, जीत बहादुर यादव, विनोद कुमार पाल, नीरज गुप्ता, अमन गुप्ता सहित अन्य लोग शामिल रहे।

एक्टर बॉर्न नहीं होता, मेहनत से गढ़ा जाता है

-सुरेश गांधी

वाराणसी। नदेसर स्थित होटल ताज में शुक्रवार को जब बनारस लिटरेचर फेस्टिवल : 4 का दीप प्रज्वलन पद्मभूषण से सम्मानित प्रख्यात अभिनेता अनुपम खेर के कर-कमलों से हुआ, तो यह केवल एक औपचारिक उद्घाटन नहीं रहा। काशी की सांस्कृतिक फिजा में उस क्षण स्मृति, संघर्ष और सृजन एक साथ उतर आए। दीपों का उजास मंच तक सीमित नहीं था, वह अनुभवों की रोशनी बनकर सभागार में फैल गया। बीएलएफ4 का उद्घाटन सत्र केवल एक आयोजन नहीं था। यह उस विचार का उद्घोष था कि साहित्य स्मृति है, रंगमंच साधना है और जीवनकृनिरंतर अभ्यास। काशी की धरती पर जब अनुभव बोलते हैं, तो पीढ़ियां सुनती हैं। और जब अनुपम खेर जैसे कलाकार अपने संघर्ष साझा करते हैं, तो मंच केवल मंच नहीं रहता, वह संभावनाओं का रंगमंच बन जाता है।

स्कूल के मंच से सिनेमा तक : स्मृतियों में लौटे अनुपम खेर

उद्घाटन सत्र में स्कूली बच्चों के नाट्य मंचन को देखकर अनुपम खेर भावविभोर हो उठे। मुस्कराते हुए उन्होंने कहा कि यह प्रस्तुति उन्हें सीधे अपने स्कूल के दिनों में ले गई। उन्होंने अपने जीवन के पहले नाटक का संस्मरण साझा किया, जहां उन्हें पृथ्वीराज चौहान की भूमिका मिली थी और जयचंद बने थे दूधवाले के बेटे नंदू। मेरी क्वालिफिकेशन बस इतनी थी कि मैं गोरा और पतला था, यह कहते हुए अनुपम खेर हँसे, और पूरा सभागार भी।

ज ब जयचंद ने पृथ्वीराज को उठा कर ऑडियंस में फेंक दिया

अनुपम खेर ने उस नाटक का एक दिलचस्प और हास्य से भरपूर प्रसंग भी साझा किया। संवाद था, चला जा, चला जा, तू बकवास ना कर, तीन बार बोलना था और हर बार जयचंद को गिरना था। दो बार नंदू गिर गया। तीसरी बार दर्शकों में बैठे उसके पिता की आवाज गूंजी, अब तू गिरा तो घर मत अइयो। बस फिर क्या था, नाटक ने नया मोड़ लिया। जयचंद बने नंदू ने पृथ्वीराज चौहान बने अनुपम खेर को उठाया और सीधे दर्शकों में फेंक दिया। यह किस्सा सुनते ही पूरा सभागार ठहाकों से गूंज उठा।

अपने वक्तव्य की शुरुआत में अनुपम खेर ने एक सूत्रवाक्य दिया, एक्टर बॉर्न नहीं होता, मेहनत से गढ़ा जाता है। उन्होंने बच्चों से कहा कि अभिनय केवल मंच या कैमरे की कला नहीं, बल्कि जीवन को गहराई से देखने और महसूस करने की साधना है। प्रतिभा से अधिक जरूरी है अनुशासन, निरंतर अभ्यास और धैर्य। सत्र के अंत में उन्होंने बच्चों के प्रश्नों के उत्तर दिए, उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं, और अनजाने में ही कई भविष्य के कलाकारों के भीतर एक स्थायी दीप जला दिया।

बीएलएफ के अध्यक्ष दीपक मधोक ने स्वागत भाषण में कहा कि काशी से अधिक उपयुक्त स्थल कोई नहीं हो सकता। यहां धर्म, आध्यात्म, संस्कृति, संस्कार और संस्कृत का अविरल प्रवाह है। उन्होंने मार्क ट्वेन को उद्धृत करते हुए कहा कि बनारस केवल शहर नहीं, एक जीवित सभ्यता है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष फेस्टिवल में 167 सेलेब्रिटीज, एक साथ कई मंच और हजारों श्रोता जुड़े हैंकृजो इसे एक संगठित सांस्कृतिक आंदोलन बनाता है। बीएलएफ के सचिव बृजेश सिंह

मुकदमें में वाँछित आरोपी देशी तमंचा व कारतूस के साथ गिरफ्तार

बदलापुर, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना बदलापुर पुलिस टीम द्वारा शाहपुर पीली नदी पुल के पास संदिग्ध वाहनों व व्यक्तियों की चेकिंग की जा रही थी कि चेकिंग के दौरान थाना स्थानीय के मुकदमा में वाँछित आरोपी रूस्तम पुत्र नाटे कंकाली निवासी ग्राम हरिकापुरा पिलकिच्छा थाना खुटहन जनपद जौनपुर को पकडा गया जिसके जामा तलाशी से 01 देशी तमंचा .315 बोर व 01 जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुआ तथा अभियुक्त उपरोक्त द्वारा अपने साथियों के साथ दिनांक 26/27.12.2025 की रात में ग्राम सरायगुन्जा बटाऊवीर में एक मकान में चोरी करने का प्रयास किया गया था, घर के लोगों के जगने पर पकड़े जाने के डर से उसके व उसके साथियों द्वारा फायर किया गया था, जिसके सम्बन्ध में थाना स्थानीय पर मु0अ0स0 526/25 धारा 307/62 बीएनएस पंजीकृत है। अभियुक्त रुस्तम उपरोक्त को कारण गिरफ्तारी बताकर दिनांक 30.01.2026 को हिरासत पुलिस लिया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

शादी का झाँसा देकर शारीरिक सम्बन्ध बनाने वाला गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली के नेतृत्व में थाना पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0स0 15/2026 धारा 69/352/351 (3) बीएनएस से सम्बन्धित वाँछित आरोपी रिशि शुक्ला पुत्र हनुमान प्रसाद शुक्ला निवासी मानिक चौक रासमण्डल थाना कोतवाली जौनपुर को मुखबिर खास की सूचना पर भण्डारी तिराहे स्टेशन के पास से कारण गिरफ्तारी बताते हुये नियमानुसार हिरासत पुलिस मे लिया गया। गिरफ्तारी के दौरान सुप्रीम कोर्ट तथा मानवाधिकार आयोग के आदेशों निदेशों का अक्षरशः पालन किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त को सम्बन्धित न्यायालय भेजा गया ।

फोर लेन वेस्टर्न बाईपास को मिली मंजूरी, 944.19 करोड़ होंगे खर्च

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के जौनपुर ज़िले के लिए बड़ी विकासात्मक सौगात सामने आई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने जौनपुर शहर में 12.2 किलोमीटर लंबे 4-लेन वेस्टर्न बाईपास के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इस परियोजना पर कुल 944.19 करोड़ की लागत आएगी। बाईपास के दोनों ओर सर्विस रोड/स्लिप रोड भी बनाई जाएंगी, जिससे स्थानीय यातायात को बड़ी राहत मिलेगी। यह परियोजना जौनपुर में कंटीन्यूअस रिंग रोड का रूप लेगी क्षेत्रीय सड़क नेटवर्क में मौजूद मिसिंग लिंक को पूरा करेगी। पश्चिम में ठल्ह-731 और उत्तर में NH-135A के बीच बिना रुकावट कनेक्टिविटी मिलेगी NH-31, NH-135A, NH-128A और NH-731 को जोड़ने वाले प्रस्तावित बाईपास से इंटीग्रेशन होगा। इस परियोजना से जौनपुर शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी, यात्रा समय घटेगा और क्षेत्र के औद्योगिक व आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

नगर अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस बल के साथ नगर में की गश्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव जनपद जौनपुर द्वारा थाना कोतवाली एवं थाना लाइबाजार क्षेत्र में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की गई। गश्त के दौरान आमजन से संवाद कर सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। तथा संदिग्ध व्यक्तियों व वाहनों की चेकिंग की गई। अपर पुलिस अधीक्षक नगर द्वारा संबंधित अधिकारियों को कानून-व्यवस्था सुदृढ़ रखने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में गुजरात की स्नेहा रमेश यादव ने जीता स्वर्ण पदक

अयोध्या। अयोध्या में आयोजित राष्ट्रीय कुश्ती (ग्रेपलिंग) प्रतियोगिता में गुजरात की स्नेहा रमेश यादव ने 66-70 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ गुजरात की टीम ने समग्र रूप से पूरे भारत में तीसरा स्थान भी प्राप्त किया। स्नेहा यादव मूल रूप से हनुमान यादव हनेवता, आजमगढ़ (उत्तर प्रदेश) से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने अपनी इस उपलब्धि से न केवल गुजरात राज्य बल्कि अपने परिवार और समाज का भी गौरव बढ़ाया है। स्नेहा, पोती रामबली यादव, साहबली यादव, छोटे दादा पहलवान राजाराम यादव की प्रेरणा और संस्कारों का प्रतिफल आज राष्ट्रीय मंच पर दिखाई दिया।

इस अवसर पर उत्तर यादव युवा संघ, गुजरात के प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव, राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश चंद्रधारी यादव, कार्य अध्यक्ष विजय यादव, वलसाड जिला अध्यक्ष किशन यादव सहित अनेक गणमान्य लोगों ने स्नेहा यादव को सम्मानित किया और शुभकामनाएँ दीं। प्रदेश अध्यक्ष हरिराम यादव ने कहा, स्नेहा बेटा, आप अपने जीवन में खूब तरक्की करें। हम सब आपके साथ हैं और तन-मन-धन से आपका मनोबल बढ़ाने का कार्य करेंगे। आप समाज और देश का नाम रोशन करती रहें। वहीं राष्ट्रीय प्रवक्ता कैलाश यादव ने कहा स्नेहा ने हमारे परिवार और खानदान का नाम रोशन किया है। बिटिया की इस सफलता से पूरे परिवार और समाज में खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। स्नेहा यादव की इस ऐतिहासिक उपलब्धि से क्षेत्र, समाज और खेल जगत में उत्साह और गर्व का माहौल है।

मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज में कार्यशाला का आयोजन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मोहम्मद हसन पी जी कॉलेज जौनपुर में शुक्रवार को एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ.अब्दुल कादिर खान के निर्देशन में कालेज के जंतु विज्ञान विभाग के तत्वावधान में डिस्मेनोरिया रोग पर आयोजित की गई थी जिस में स्त्रियों के मासिक धर्म की समस्याओं और उसके निदान के बारे में अति विस्तार से चर्चा की गई ।साथ ही अतिथि डॉक्टरों ने सावधानी बरतने तथा निदान के बारे में भी विस्तार से बताया। मुख्य अतिथि डॉ.एस पी तिवारी और डॉ.अतुल सर ब्ल्यू क्रॉस लेबोरेटरी प्राइवेट लिमिटेड ने विशेष संबोधन किया। इस अवसर पर विज्ञान संकाय अध्यक्ष डॉ.सतीश चन्द दूबे,जंतु विज्ञान विभाग अध्यक्ष डॉ.पुष्पांजलि सिंह,बी टी सी विभाग के आर पी सिंह, मोहम्मद अब्बास, व संतोष सिंह आदि मौजूद रहे।

हत्या के बाद लाश को बोरे में भरकर कुएं में फेंका

प्रयागराज (उत्तरशक्ति) । फूलपुर थाना क्षेत्र के बलिकरनपुर गांव में रहने वाली विवाहिता की हत्या कर दी गई है, महिला 8 दिनों से लापता थी । उसकी लाश बोरे में भरकर कुएं में फेंक दी गई थी, ताकि किसी को भनक न लगे। गुरुवार शाम को कुएं से तेज दुर्गंध निकलने से हड़कंप मच गया. मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

फूलपुर थाना प्रभारी प्रवीण गौतम ने बताया महिला की पहचान सीमा सरोज (35) पत्नी अनिल गौतम, निवासी बलिकरनपुर के रूप में हुई है. महिला 22 जनवरी से लापता थी । परिजनों ने इसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट भी दर्ज कराई थी. फिलहाल, शव को निकालकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस सभी पहलुओं पर मामले की जांच कर रही है। जल्द ही हत्याकांड का खुलासा किया जाएगा। कैसे पता चला कि कुएं में लाश है, दरअसल, गांव के दो लोग गुरुवार शाम को कुएं के पास से जलाने के लिए लकड़ी लेने पहुंचे थे। उन्होंने देखा कि कुछ लकड़ियां कुएं में गिरी है। वह लोग बांस के डंडे से लकड़ियां निकालने का प्रयास करने लगे, तभी सफेद रंग की एक बोरी तैरती दिखाई दी, कुएं से तेज बदबू आने लगी तो दोनों घबरा गए और गांव वालों को बुलाया। थोड़ी ही देर में वहां भीड़ जमा हो गई और पुलिस को सूचना दी गई।

पुलिस ने बाहर निकलवाया शवः सूचना पर पहुंची फूलपुर पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद बोरी को कुएं से बाहर निकलवाया. बोरी खोलते ही अंदर महिला का सड़ा हुआ शव मिला, जिसकी पहचान सीमा सरोज के रूप में हुई। सीमा की गुमशुदगी की रिपोर्ट भी फूलपुर थाने में दर्ज थी।

17 साल पहले शादी चार बच्चेः परिजनों ने बताया कि सीमा की शादी करीब 17 साल पहले गांव के ही अनिल गौतम से हुई थी। इनके 4 बच्चे भी हैं, 3 बेटे और 1 बेटी की मां सीमा की मौत कैसे हुई, यह रहस्य बना हुआ है। सीमा के परिवारवालों का आरोप है कि अनिल कुछ साल से प्रयागराज शहर में ही रहता है। सीमा के घरवालों का आरोप है कि अनिल का किसी दूसरी महिला से संबंध है। हालांकि पुलिस इस एंगल की जांच की बात कह रही है।

ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव के निधन पर उनके आवास पहुंचे

विधान परिषद सदस्य के नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव

-दानिश सिद्दीकी

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा के ब्लॉक प्रमुख मनोज यादव के आकस्मिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष लाल बिहारी यादव शोक व्यक्त करने उनके पैतृक आवास पहुंचे। लाल बिहारी यादव ने शोकाकुल परिवार से मुलाकात की और मनोज यादव के चित्र पर पुष्प अर्पित कर अपनी श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने उनके बड़े भाई महेंद्र कुमार यादव और परिजनों से काफी देर बातचीत की और उन्हें सांत्वना देते हुए कहा कि मनोज यादव का असमय जाना समाज और पार्टी के लिए एक अपूरणीय क्षति है।

क्षेत्र के लोकप्रिय नेता थे मनोज यादव

गौरतलब है कि मनोज यादव निर्विरोध ब्लॉक प्रमुख चुने गए थे और अपनी मिलनसार छवि के लिए पूरे जौनपुर क्षेत्र में जाने जाते थे। मनोज यादव हमेशा गरीबों और वंचितों की सेवा के लिए समर्पित रहे। उनका व्यक्तित्व बेहद सरल और सहज था, जिसकी कमी हमेशा रहेगी। शोक सभा के दौरान स्थानीय जनप्रतिनिधि और पार्टी के कई कार्यकर्ता और परवेज, पंकज यादव, ब्रजभूषण यादव, फिरोज , कैलाश आदि लोग मौजूद रहे।

मुख्यचिकित्सा अधिकारी के सभागार में आयोजित कुष्ठ जागरूकता कार्यकम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन द्वारा प्राप्त निर्देश के क्रम में आज मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर के सभागार में स्पर्श कुष्ठ जागरूकता अभियान जो वर्ष 2017 से चलाया जा रहा है के अन्तर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गांधीजी के पुण्य तिथि के अवसर पर श्रद्धाजंलि / श्रद्धा सुमन अर्पित कर कार्यकम की शुरूआत की गयी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के राजनीतिक जीवन में भी कुष्ठ रोगियों के प्रति गहरी संवेदना थी। वे राष्ट्र के ऐसे पहले व्यक्ति थे जो कुष्ठ रोगियों से भेद-भाव न करके आम नागरिकों की तरह व्यहार करते थे। तथा आम जनमानस से भी कुष्ठ रोगियों के प्रति सामान्य व्यवहार किये जाने की अपील किया करते थे। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के सभागार में आयोजित कुष्ठ जागरूकता कार्यकम में कुष्ठ रोग के प्रति क्रो भ्रांतियों को दूर करने की अपील की गयी।इस वर्ष का शासन द्वारा जो थीम निर्धारित किया गया है वह भेदभाव समाप्त कर गरिमा सुनिश्चित करें है। इस अवसर पर शिक्षा विभाग, पंचायती राज विभाग, नगर पालिका एवं आई०एम०ए० द्वारा प्रतिभागत किया गया तथा जिला कुष्ठ अधिकारी कार्यालय द्वारा पुराने कुष्ठ रोगियों को कंम्बल, फल, मिष्ठान, सेल्फ केयर किट एवं एम०सी०आर० चप्पल वितरित किया गया।

85 लाख रुपए की धोखाधड़ी व जालसाजी में शामिल होने वाला आरोपी गिरफ्तार

जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कमला प्रसाद पुत्र स्व0 फागू चौहान निवासी बैजाबाद थाना जफराबाद जनपद जौनपुर द्वारा प्रार्थना पत्र देकर बताया गया कि आरोपी अर्जुन चौहान पुत्र कृष्णमुरारी चौहान निवासी पचोखर चकराजेपुर थाना- लाइन बाजार जौनपुर उम्र करीब 29 वर्ष अपने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर मेरे द्वारा खेत बेचकर युनियन बैंक में रखे गये 85 लाख रुपए को 01 वर्ष में दोगुना करने का लालच देकर 20 लाख रुपए आर0टी0जीएस0 व 65 लाख रुपए नगद कुल 85 लाख रुपए धोखाधडी व छल करते हुए हड़प लेना तथा जब मैने अपने दिये गये पैसों के सम्बन्ध में रसीद की मांग की तो अभियुक्त अर्जुन चौहान उपरोक्त द्वारा सिविल लाइन एस0बीआई0बैंक जौनपुर के मुख्य शाखा का कूटरचित और फर्जी एफडी बाण्ड दे दिया गया। प्राप्त प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0स0-17/2026 धारा -318(4), 338, 336(2), 336(3), 340(2), 61(2). बी.एन.एस. थाना- जफराबाद, जनपद- जौनपुर पंजीकृत किया गया ।इस्माईल अहमद उपरोक्त द्वारा लैपटाप से कूटरचना कर फर्जी बाण्ड तैयार कर अभियुक्त अर्जुन चौहान उपोरक्त को देना। जिससे इस्माईल अमहद उपोरक्त का नाम विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान प्रकाश मे आया है।

शिक्षक ही राष्ट्र के सच्चे निमार्ता : लाल बिहारी यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुइथाकला विकासखंड क्षेत्र अंतर्गत मोहिउद्दीनपुर काजीपुर स्थित एक इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव शुक्रवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुति देकर दर्शकों को निहाल कर दिया। समारोह के मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष एवं शिक्षक विधायक लाल बिहारी यादव का माल्यार्पण, अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट करके भव्य स्वागत किया गया। बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त करने वाले मेधावियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि विद्यालय ही नागरिकों के सर्वांगीण विकास का केंद्र है। शिक्षक ही राष्ट्र के सच्चे निमार्ता होते हैं जो देश के लिए श्रेष्ठ नागरिक तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में आर्थिक और शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़े तबके के बच्चों को शिक्षित करके उनके भविष्य को उज्जवल करने का काम विद्यालय कर रहा है। एमएलसी ने कहा कि गांव के विद्यालय में पढ़ने वाले यही बच्चे अपनी प्रतिभा की बदौलत आगे चलकर प्रशासनिक सेवाओं और अन्य क्षेत्रों में जाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चों को आगे बढ़ाना हम सबका निर्धारण पहले ही कर लेना चाहिए।

उन्होंने बताया कि वित्त विहीन शिक्षकों को मानदेय नहीं मिल रहा है। माध्यमिक शिक्षा में 80 फीसदी भागीदारी निभाने वाले वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय न मिलना भाजपा की सरकार के सबका साथ सबका विकास के नारे को तमाचा है। उन्होंने कहा कि यदि वित्तविहीन शिक्षकों को मानदेय चाहिए तो इसके लिए राजनीति की मास्टर चाबी अखिलेश यादव के हाथों में देनी होगी। इसे दिलाना हमारी जिम्मेदारी है। उन्होंने एनसीईआरटी की किताबें दुकानों और निजी विद्यालयों में न उपलब्ध होने पर सरकार पर तंज कसा। विशिष्ट अतिथि पूर्व ऊर्जा मंत्री शैलेंद्र यादव ललई ने कहा कि गरीब, पिछड़े, दलित और शोषित वंचित समाज के बच्चे शिक्षा से ही समाज में अपमान और भेदभाव की खाई को समाप्त कर सकते हैं। सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य ने कहा कि बच्चे ही देश के भविष्य हैं जो आगे चलकर देश के श्रेष्ठ नागरिक बनेंगे जो राष्ट्र निर्माण में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि किताबी शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को संस्कार भी दें। विशिष्ट अतिथि डॉ विकास पाल, पूर्व एमएलसी प्रभावती पाल, सपा नेता त्रिभुवन यादव ने भी संबोधित किया। अध्यक्षता कैलाश नाथ पाल और संचालन उप प्रबन्धक श्री प्रकाश पाल ने किया। स्वागत भाषण एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रबंधक राम दुलार पाल और आभार प्रधानाचार्य जयप्रकाश पाल ने प्रकट किया। मौके पर ठाकुर प्रसाद तिवारी, जिला महामंत्री वित्त विहीन शिक्षक संघ राजेंद्र प्रसाद पाल, प्रधान गण राम सकल बिंद, राजन यादव और राम सूरत यादव, रामजश बिंद, हरिराम पाल, राजेश कुमार पाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

आपसी विवाद में आमदा फौजदारी के आरोप में दो आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत 02 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली विश्वनाथ प्रताप सिंह के निकट पर्यवेक्षण में पुलिस टीम द्वारा मानिकचौक क्षेत्र में दो पक्षों के बीच पानी गिराने की बात को लेकर हो रहे वाद-विवाद को शांत कराने का प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा उभय पक्षों को काफी समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया, किंतु दोनों पक्ष मानने को तैयार नहीं हुए और आमदा फौजदारी पर उतारू हो गए। स्थिति को देखते हुए संज्ञेय अपराध घटित होने की प्रबल संभावना उत्पन्न हो गई थी। अन्य कोई विकल्प न पाकर पुलिस द्वारा उभय पक्षों को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के तहत हिरासत में लिया गया। गिरफ्तारी के समय अभियुक्तों को उनके अपराध से अवगत कराते हुए कारण गिरफ्तारी बताया गया।

उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर प्रजापति समाज मुंबई द्वारा शोक व्यक्त

मुंबई(उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज मुंबई के अध्यक्ष प्रोफेसर रामजन्म प्रजापति की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमें बुधवार की सुबह महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के प्लेन दुर्घटना में हुई मौत पर उनकी आत्मा की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उन्होंने ने कहां की अजीत पवार की आकस्मिक मौत राजनीतिक इतिहास में बहुत बड़ी क्षति है। जिसे हम कभी पूर्ण नहीं कर पाएंगे। शोक सभा में संस्था के सभी सम्मानित सदस्य गण मौजूद रहे।